मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 306
शुक्रवार, 30 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बंगाल का विकास भारत के भविष्य की नीव: पीएम मोदी

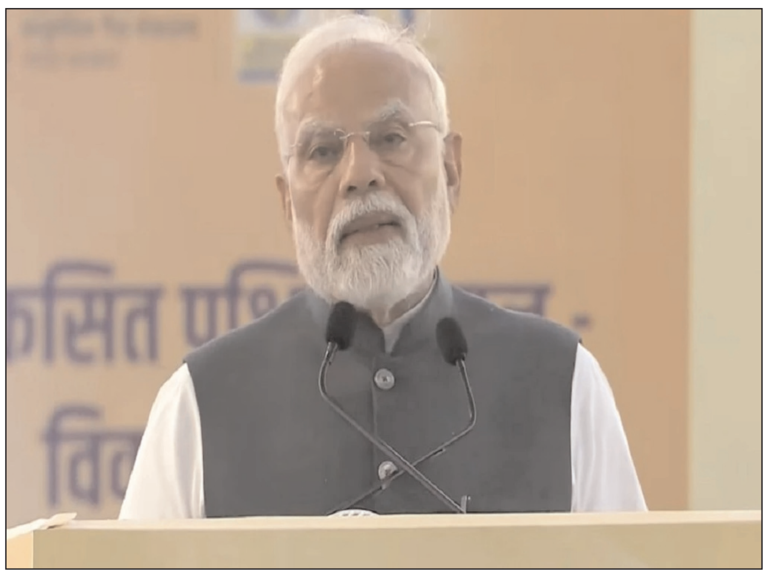

कोलकता, 29 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार और कूच बिहार जिलों में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) परियोजना की आधारशिला रखी। 1010 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस परियोजना का उद्देश्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) लक्ष्यों के अनुरूप लगभग 19 सीएनजी स्टेशन स्थापित करके 2.5 लाख से अधिक घरों, 100 से अधिक वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों और उद्योगों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और वाहनों को संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) उपलब्ध कराना है।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि अलीपुरद्वार की ये भूमि सिर्फ सीमाओं से नहीं संस्कृतियों से जुड़ी है। एक ओर भूटान की सीमा है, दूसरी ओर आसाम का अभिनंदन है। एक ओर जलपाईगुड़ी का सौंदर्य है, दूसरी ओर कूचबिहार का गौरव है। आज इसी समृद्ध भू-भाग पर मुझे आप सबके दर्शन करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि आज जब भारत 'विकसित राष्ट्र' की ओर बढ़ रहा है, तो बंगाल की भागीदारी अपेक्षित भी है और अनिवार्य भी है। इसी इरादे के साथ केंद्र सरकार यहां लगातार इंफ्रास्ट्रक्चर, इनोवेशन और इन्वेस्टमेंट को नई गति दे रही है।

मोदी ने कहा क आज हमने पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना की आधारशिला रखी है। इस पहल के माध्यम से हम गैस पाइपलाइन के माध्यम से घरों तक स्वच्छ और अधिक किफायती ऊर्जा की आपूर्ति करेंगे। इससे न केवल गैस सिलेंडर खरीदने की परेशानी कम होगी बल्कि सुरक्षित गैस कनेक्शन भी मिलेंगे। यह केवल एक पाइपलाइन परियोजना नहीं है; यह सरकार की योजनाओं की डोरस्टेप डिलीवरी का भी एक उदाहरण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल का विकास भारत के भविष्य की नींव है। आज का दिन उसी नींव में एक और मजबूत ईंट जोड़ने का दिन है। कुछ देर पहले हमने इस मंच से अलीपुरद्वार और कूचबिहार में City Gas Distribution Project का शुभारंभ किया है।

इस प्रोजेक्ट से 2.5 लाख से अधिक घरों तक साफ, सुरक्षित और सस्ती गैस पाइपलाइन से पहुंचायी जाएगी। इससे न सिर्फ रसोई के लिए न सिर्फ सिलेंडर खरीदने की चिंता खत्म होगी, बल्कि परिवारों को सुरक्षित गैस सप्लाई भी मिल पाएगी।

पीएम मोदी पर ममता बनर्जी ने साधा निशाना

कोलकता, 29 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए मुर्शिदाबाद और मालदा में हुई हिंसा को उनकी सरकार की क्रूरता और उदासीनता का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हमले के लिए निर्ममता शब्द का इस्तेमाल किया और टीएमसी पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने में विफल रहने और नागरिकों की दुर्दशा को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। हालांकि, अब मोदी के बयान पर ममता बनर्जी ने पलटवार किया है।

ममता बनर्जी ने कहा कि मोदी जी ने आज जो कहा, उसे सुनकर हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि बहुत दुखी भी हैं, जब विपक्ष देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। उनकी मौजूदगी में उनके मंत्री ने कहा कि वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल भी करेंगे। मैं उन्हें चुनौती देती हूँ - अगर हिम्मत है, तो कल चुनाव में उतरें, हम तैयार हैं और बंगाल आपकी चुनौती स्वीकार करने के लिए तैयार है। लेकिन कृपया याद रखें, समय एक कारक है। आपको समय याद रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे प्रतिनिधि अभिषेक बनर्जी भी टीम में हैं। और वो हर दिन आतंकवाद के खिलाफ, आतंक के खिलाफ बोल रहे हैं। उस समय, मोदी, प्रधानमंत्री के रूप में नहीं बल्कि भाजपा अध्यक्ष के रूप में, आप (बंगाल में) सरकार की आलोचना कर रहे हैं जो आपको पूरा समर्थन दे रही है, देश की रक्षा कर रही है। आप सरकार पर आरोप लगा रहे हैं और आप इस समय विपक्ष पर आरोप लगाना चाहते हैं, ताकि राजनीति हो सके, ठीक वैसे ही जैसे भाजपा जुमला पार्टी के नेता कर रहे हैं। आप झूठ का पुलिंदा बोल रहे हैं। वे देश को लूटकर भाग जाते हैं। इस तरह से बात करना अच्छा नहीं लगता। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में, हालांकि मेरी कोई टिप्पणी नहीं है, लेकिन कृपया याद रखें कि हर महिला का सम्मान होता है।

बेंगलुरु में जल के प्राकृतिक प्रवाह में बाधक बन रही थी कई इमारतें, शिवकुमार ने गिराने का दिया आदेश

बेंगलुरु, 29 मई। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने बेंगलुरू के नगर निगम अधिकारियों को वर्षा जल के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा डालने वाली और बाढ़ में योगदान देने वाली इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश दिया है। बेंगलुरू विकास विभाग के प्रभारी शिवकुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री और मैं पहले ही बारिश से प्रभावित इलाकों का दौरा कर चुके हैं। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण जंक्शन है। समस्या यहीं से शुरू हुई और तब से दूसरे इलाकों में फैल गई है। उन्होंने कहा कि पानी के प्राकृतिक प्रवाह में बाधा डालने वाले व्यक्तियों ने अदालत से स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया है, और यहां तक कि नगर निगम के अधिकारी भी इन क्षेत्रों में बाढ़ को कम करने में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

इसलिए मैंने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत समस्या पैदा करने वाली इमारतों को हटाने का निर्देश दिया है। शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि सरकार का किसी की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने या अन्यायपूर्ण कार्य करने का इरादा नहीं है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए एक स्थायी समाधान खोजना महत्वपूर्ण है कि वर्षा जल सुचारू रूप से बहता रहे और इससे असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि हम किसी की संपत्ति छीनकर उन्हें परेशानी में नहीं डालना चाहते। मैं खुद समस्या वाले स्थानों का दौरा कर रहा हूं ताकि पुष्टि कर सकूं। सभी ने काम जारी रखने की अनुमति देने पर सहमति जताई है। लेकिन स्थायी समाधान खोजना महत्वपूर्ण है। हम किसी भी इमारत को ध्वस्त नहीं करना चाहते, लेकिन यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि बाढ़ के बिना बारिश का पानी सुचारू रूप से बहता रहे।

मोटरसाइकिल से आये बदमाशों ने ऑटो चालक को मारी गोली

रियाजुल हक

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि अब वे पुलिस थाना क्षेत्र के बेहद करीब भी बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ताजा मामला केराकत कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बाईपास मार्ग का है, जहां सोमवार की देर शाम बाइक सवार पांच बदमाशों ने एक ऑटो चालक को दौड़ा कर गोली मार दी।

घटना उस वक्त हुई जब पीड़ित युवक अपने ऑटो से लौट रहा था। तभी अचानक पांच की संख्या में आए बदमाशों ने उसे घेर लिया और जान से मारने की नीयत से उस पर गोली चला दी। गोली युवक के कंधे में जा लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। आसपास के लोगों की मदद से घायल युवक को आनन-फानन में नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

वारदात स्थल: कोतवाली से सिर्फ 200 मीटर की दूरी सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह पूरी वारदात कोतवाली थाना परिसर से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि अपराधियों को अब कानून और पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है। वारदात के तुरंत बाद मौके पर पुलिस पहुंची और जांच-पड़ताल में जुट गई है।

इलाके में फैली दहशत, पुलिस की कार्यशैली पर सवाल

घटना की जानकारी फैलते ही इलाके में दहशत का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस इलाके में पिछले कुछ समय से अपराधियों की गतिविधियां बढ़ी हैं, लेकिन

केराकत कोतवाली से महज 200 मीटर की दूरी पर घटी घटना

पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अब जब थाने के बिल्कुल नजदीक ही गोली चलने की घटना हुई, तब जाकर पुलिस सक्रिय हुई है।

पुलिस की प्राथमिक जांच जारी पुलिस का कहना है कि वारदात की जांच की जा रही है और हमलावरों की पहचान कर गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। घटनास्थल से कुछ सुराग भी जुटाए गए हैं, जिनके आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

सवाल बरकरार: क्या वाकई सुरक्षित है जौनपुर लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं झ कहीं हत्या, कहीं लूट, कहीं गोलीबारी झ से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जौनपुर की कानून व्यवस्था पटरी से उतर चुकी है। खासकर तब, जब थाने से चंद कदम की दूरी पर बदमाश खुलेआम गोली चला जाते हैं, तब पुलिस की सतर्कता और निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठना लाजमी है।

अब देखना होगा कि क्या पुलिस इस वारदात के दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर जनता में भरोसा लौटा पाएगी, या यह मामला भी बाकी मामलों की तरह फाइलों में दबकर रह जाएगा।

भारत, चालू वित्त वर्ष में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा: आरबीआई

नई दिल्ली, 29 मई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश वित्त वर्ष 2025-26 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आरबीआई ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि सौम्य मुद्रास्फीति परिदृश्य और जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के विस्तार में धीमी गति के कारण मौद्रिक नीति को भविष्य में वृद्धि के लिए सहायक होना चाहिए।

केंद्रीय बैंक ने नवीनतम रिपोर्ट में कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे, मजबूत वित्तीय क्षेत्र और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का लाभ उठाकर 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी।

इसने वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार विखंडन, आपूर्ति-श्रृंखला में व्यवधान एवं जलवायु संबंधी चुनौतियों के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं को विकास के दृष्टिकोण के लिए नकारात्मक जोखिम और मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए सकारात्मक पहलू के रूप में चिह्नित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि शुल्क नीतियों में बदलाव के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में कहीं-कहीं अस्थिरता के प्रभाव दिख सकते हैं और निर्यात को अंतमुर्खी नीतियों एवं शुल्क युद्धों के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

आरबीआई ने कहा कि भारत के व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर एवं बातचीत करने से इन प्रभावों को सीमित करने में मदद मिलेगी। साथ ही, सेवा निर्यात एवं आवक प्रेषण से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि नए वित्त वर्ष (2025-26) में चालू खाता घाटा उल्लेखनीय रूप से प्रबंधनीय हो।केंद्रीय बैंक ने लगातार दो समीक्षाओं में प्रमुख नीतिगत दरों में कटौती की है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि अब 12 महीने की अवधि में कुल मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने को लेकर अधिक भरोसा है।इसमें सुझाव दिया गया कि ब्याज दर जोखिम की गतिशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए बैंकों को व्यापार और बैंकिंग दोनों प्रकार के बही जोखिमों से निपटने की आवश्यकता है, खासकर शुद्ध ब्याज मार्जिन (मुनाफे) में कमी के मद्देनजर।

झारखंड में बस और ट्रक की टक्कर में चार लोगों की मौत

पलामू। झारखंड के पलामू जिले में शादी समारोह के लिए लोगों को लेकर तेज गति से जा रही एक बस के ट्रक से टकरा कर पलट जानेसे कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।तरहसी थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि यह हादसा बुधवार रात करीब 10 बजे ब्रह्मपुरा मोड़ के पास बेदनी-पदमा रोड पर हुआ। उन्होंने कहा, टक्कर के बाद बस पलट गई जिससे चार लोगों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हो गए।

घायलों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। लेस्लीगंज के उपमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) मनोज कुमार झा ने बताया कि मृतकों की पहचान चुंका गांव के निवासी चंदन कुमार सिंह, विकास कुमार सिंह, विकेश कुमार सिंह और विक्की कुमार सिंह के रूप में की गई है।

इस साल अमरनाथ यात्रा चुनौतीपूर्ण रहेगी लेकिन सभी इंतजाम किए जाएंगे: उमर अब्दुल्ला

कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद इस साल वार्षिक अमरनाथ यात्रा का आयोजन एक चुनौती होगी, लेकिन यात्रा के सुचारु संचालन के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों के कामकाज का आकलन करने के लिए गुलमर्ग में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें आपातकालीन तैयारियों, पर्यटकों की सुरक्षा, खेल और साहसिक पर्यटन, मोबाइल कनेक्टिविटी तथा स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में कार्यों की समीक्षा की गई।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)
वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग
गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी
सेवा 24 घण्टे उपलब्ध
डा. अरूण आर. सिंह
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
एस.एम.ओ.) एल.टी.एम.एम. जी. एच. (सायन हॉस्पिटल मुम्बई)
स.आर.) एम. जी.एम. मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल (नवी मुम्बई)
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)
डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)
डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)
कंसल्टेंट फिजिशियन
डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ
24/7 Emergency Services
बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद,जौनपुर

रक्षा में आत्मनिर्भरता के बढ़ते कदमों से बढ़ती सैन्य-ताकत

-ललित गर्ग

ऑपरेशन सिंदूर की शानदार कामयाबी, पाकिस्तान को करारी चोट पहुंचाने, विश्व को भारत की सैन्य ताकत दिखाने और अपने सैनिकों के अद्भुत पराक्रम के प्रदर्शन की गौरवपूर्ण स्थितियों के बीच एक बड़ी खुशखबरी है कि भारत सरकार ने पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान (एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी देते हुए इस परियोजना पर आगे बढ़ने को हरी झंडी दिखा दी है। निश्चित ही इस फैसले से दुनिया की महाशक्तियां चौंकी है, वहीं यह भारतवासियों के लिये एक नई आशा एवं संभावनाभरी खुशखबरी है। क्योंकि दुनिया की महाशक्ति बनने के लिये सैन्य साजो-सामान की दृष्टि से आत्म निर्भर होना प्रथम प्राथमिकता है। दुनिया पर वर्चस्व स्थापित करने का यह सबसे बड़ा आधार है कि हम सैन्य साजो सामान में स्वावलम्बी ही नहीं, निर्यातक बनें। क्योंकि उन्हें दूसरे देशों से खरीदने में विदेशी पूंजी का व्यय होने के साथ कई तरह के दबावों का भी सामना करना पड़ता है। दूसरे देश अपनी शर्तों पर ये हमें उपलब्ध कराते हैं, अर्थ का व्यय भी स्वदेशी उत्पादन की तुलना में बहुत ज्यादा करना पड़ता है। जबसे रक्षा सामग्री के निर्माण में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाई गई है, तब से भारत का रक्षा निर्यात तेजी से बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय के ताजा फैसले के बाद सरकारी और निजी क्षेत्र की कंपनियों के शेयर जिस तरह उछले, उससे यही पता चलता है कि देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने के लिए नई दिशाओं को उद्घाटित कर रहा है।

निश्चित ही पांचवीं पीढ़ी के उन्नत लड़ाकू विमानों का देश में ही निर्माण करने और उसमें निजी क्षेत्र का सहयोग लेने की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की घोषणा एक ऐसा फैसला है, जो दूरगामी एवं देशहित का सराहनीय कदम है। ऐसे फैसलों में बिना विलम्ब के प्रोत्साहन एवं सहयोग होना चाहिए। हमें निश्चित करना चाहिए कि आधुनिक लड़ाकू विमानों के निर्माण तय समय में हो, इसके लिए हरसंभव उपाय किए जाने चाहिए। ऐसे फैसलों से भारत की ताकत बढ़ती है, दुनिया की अधीनता कमतर होती है। गौरतलब है, अभी तक अमेरिका, रूस और चीन ने ही पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी लड़ाकू विमान बनाने में सफलता हासिल की है। इस योजना के जरिये दुनिया को यह संदेश देना है कि भारत अब पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने की बजाय खुद बनाने का काम करेगा। इस स्वदेशी विमान के डिजाइन और विकास के लिए सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने हाल ही में पन्द्रह हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की थी। अब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व करेगी और डीआरडीओ के मुखिया की मानें, तो अगले एक दशक में यह लड़ाकू विमान भारतीय वायु सेना के बेड़े का हिस्सा होगा। निस्संदेह, हमारे रक्षा वैज्ञानिकों की सराहना की जानी चाहिए कि उनके अथक परिश्रम, तकनीकी कौशल और मेधा के कारण देश जल्द ही सुरक्षा साजो-सामान के मामले में आत्म-निर्भर बन जाएगा। इन स्थितियों के लिये जहां रक्षामंत्री राजनाथ सिंह की सराहना होनी चाहिए वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व का लोहा मानना चाहिए। मौजूदा समय में भारत लड़ाकू विमान के मामले में दूसरे देशों पर निर्भर है। सरकार ने इस दिशा में भी आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए बड़ा कदम उठाया है। इस फैसले से घरेलू एयरोस्पेस इंडस्ट्री को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। एएमसीए) का विकास भारतीय वायु सेना की लड़ाकू क्षमताओं को मजबूत करने और देश की रक्षा को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगा। पडोसी देशों की हरकतों, युद्ध की संभावनाओं एवं षडयंत्रों को देखते हुए आने वाले समय में होने वाले युद्ध में वायुसेना की क्षमता और तकनीक को अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा है। भारत हमेशा से एक शांतिकामी मुल्क रहा है, मगर अपनी सरहदों व विशाल आबादी की सुरक्षा के लिए, यह दूसरे देशों के हथियारों या सुरक्षा उपकरणों पर पूरी तरह निर्भर नहीं रह सकता। विदेशी लड़ाकू विमानों या हथियारों की खरीद में उनके तकनीकी हस्तांतरण को लेकर कई तरह की पेचीदगियां पेश आती हैं। कई देश उन्नत रक्षा उपकरण तो दे देते हैं, लेकिन उनकी तकनीक नहीं देते या फिर उनके कलपुर्जे देने में देरी करते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पर्याप्त संख्या में तेजस लड़ाकू विमान बनाने में इसलिए विलंब हो रहा है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए इंजन देने में आनाकानी कर रहा है। इसलिए एचएएल, डीआरडीओ की स्थापना की जरूरत मससूस की गई थी और आज इनके बनाए हथियार न सिर्फ हमारी सैन्य शक्ति का हिस्सा बन रहे हैं, बल्कि इस वजह से हमारा 20 फीसदी से भी अधिक सैन्य आयात कम हुआ है। आज हम अपने स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस दुनिया को बेचने की स्थिति में हैं।

मौजूदा समय में लड़ाकू विमान के लिए भारत अमेरिका और पश्चिमी देशों और रूस पर निर्भर है। देश में लड़ाकू विमानों की कमी भी है। ऐसे में सरकार स्वदेशी निर्मित आधुनिक लड़ाकू विमान के निर्माण को बढ़ावा देने की दिशा में कदम उठाकर सूझबूझ एवं दूरगामी सोच का परिचय दिया है। आज जब युद्ध के तौर-तरीके बदल रहे हैं, तब भारत को हर तरह की रक्षा सामग्री स्वदेश में ही बनाने में इसलिए सक्षम होना होगा, क्योंकि ऐसा कर-के ही वह सच्चे अर्थों में महाशक्ति बन सकता है। प्रारंभ में विदेशी कंपनियों का सहयोग लेने में हर्ज नहीं, क्योंकि ऐसा करके ही देशी के साथ उन्नत रक्षा सामग्री का निर्माण किया जा सकता है। भारत आधुनिक रक्षा उपकरण एवं तकनीक का निर्माण करने में सक्षम है, इसे आपरेशन सिंदूर ने साबित भी कर दिया। हमारे रक्षा उपकरणों और तकनीक ने जिस तरह तुर्किये के ड्रोन की हवा निकालने के साथ चीनी एयर डिफेंस की भी पोल खोल दी, उसे विश्व भर के रक्षा विशेषज्ञ भी मान रहे हैं। रूस के सहयोग से बने ब्रह्मोस मिसाइल और स्वदेशी तकनीक पर आधारित आकाश ने सिद्ध किया कि हमारे रक्षा विज्ञानी किसी से कम नहीं। उन्हें भरपूर प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है। भारत की रक्षा सेना दुनिया में सबसे शक्तिशाली और सम्मानित सेनाओं में से एक है, जो अपने आकार, ताकत और उन्नत तकनीक के साथ वैश्विक मंच पर धूम मचा रही है। चाहे सीमाओं पर गश्त करना हो, आसमान की सुरक्षा करनी हो या विशाल हिंद महासागर को सुरक्षित रखना हो, भारत की सेना एक ऐसी ताकत है जिसका लोहा माना जाना चाहिए। भारत का लक्ष्य सिर्फ वैश्विक सैन्य शक्तियों के साथ बने रहनाभर नहीं है-यह उनके साथ है बल्कि अब उससे आगे भी आना है। किसी भी युद्ध या संघर्ष में वायु सेना की भूमिका निर्णायक हो चली है। हमास-इजरायल जंग हो या रूस-यूक्रेन लड़ाई, इस तथ्य को पूरी दुनिया स्वीकारती है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये हमारी वायु सेना ने भी दिखा दिया है कि किस सटीकता से शत्रुओं के लक्ष्य को मटियामेट करने में वह सक्षम है। ऐसे में भारतीय वायु सेना की जरूरतों पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। वर्तमान में, भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है, जो केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस और चीन से पीछे है। यह स्थान इसके उन्नत विमान, बेहतर प्रशिक्षण और रणनीतिक महत्व के संयोजन के कारण अर्जित किया गया है। बहुमुखी राफेल जेट से लेकर शक्तिशाली सुखोई अपने रास्ते में आने वाली किसी भी चुनौती से निपटने के लिए सुसज्जित है। निश्चित ही भारत न एक ऐसा सैन्य बल बनाया है जो ध्यान आकर्षित करता है, जिसमें विमान उपलब्ध, अत्याधुनिक तकनीक और गहन रणनीतिक फोकस का संतुलन है। यह अब सिर्फ एक क्षेत्रीय खिलाड़ी नहीं है; भारत खुद को एक प्रमुख वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रहा है। भारतीय वायुसेना के पायलट दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पायलटों में से हैं, जो न केवल हार्डवेयर बल्कि मानवीय तत्व के कारण हवाई प्रभुत्व बनाते हैं। चाहे वह सीमाओं पर खतरों का जवाब देना हो या हवाई श्रेष्ठता सुनिश्चित करना हो, भारत की वायु सेना अपनी रक्षा रणनीति में एक प्रमुख खिलाड़ी है, जो हमेशा आसमान की रक्षा के लिए तैयार रहती है।

चमचों जैसे इंसानी शक्ल के कागजी शेर!

-आत्माराम यादव पीव वरिष्ठ पत्रकार

आजकल जहा देखो वहा हरेक नेता, विभाग प्रमुख, समाज प्रमुख, परिवार-घर प्रमुख से लेकर हर मुख को चम्मच की आवश्यकता होती है, और बिना चम्मच के सब अधूरे है। चम्मच असल में सामान्य से लेकर बहुमूल्य धातु की हुआ करती थी जिसमें राजे महाराजे पूंजीपति सोने-चांदी की चम्मच, सामान्य व्यक्ति तांबे-पीतल की चम्मच और गरीब व्यक्ति लोहे स्टील की चम्मच से अपना जीवन गुजर बसर कर लेता था। आज धातुओं की चम्मच का समय बीत गया और उनकी जगह जीते जागते इन्सान ने ले ली और खुद को एक अच्छी और कुशल चम्मच के रूप में प्रतिष्ठित करने पर तुल गया है। कानूनन जो नहीं होना चाहिए वह हम जानबूझकर करते है, विशेषकर संविधान की शपथ लेकर हमारे नेता संविधान को नहीं मानते है और हर जगह हर विभाग में चमचों की शक्ल में एक कागज थमाकर कागजी शेर तैयार करते है जो विधायक- सांसद प्रतिनिधि होते है, असल में कानूनन रूप से इन जनप्रतिनिधियों की गैर मौजूदगी में उस समय के लिए प्रतिनिधित्व करने के अधिकार को प्रतिनिधि काल का पट्टा मान कागजी शेर तैयार हो जाते है, यह ठीक वैसी ही बात हुई जब हमार पूर्वजों के समय भारत देश सोने की चिड़िया हुआ करता था आज के इन नेताओं के कारण अब भारत मिटटी की चिड़िया भर बनकर रह गया है ।

एक जमाना था जब इंसान की शक्ल उसकी अक्ल की गवाही ही नहीं बल्कि उसके कार्य क्षेत्र का परिचय भी देती थी और शक्ल देखकर लोग पहचान लेते थे की अमुक व्यक्ति अमुक विभाग का है, या अमुक काम करता है। शक्ल के साथ इंसान का पहनावा भी उसकी पहचान का हिस्सा था जिससे व्यक्ति की जात बिरादरी पता चल जाया करती थी किन्तु आज के इन्सान की शक्ल में इंसान इंसानियत खो चुका है और जहा देखते है सर्वत्र इंसानी शक्ल में चमचे ही चमचे दिखाई देते है जिनकी आस्था जिनका ईमान और जिनका धर्म बस चमचागिरी है। वे चमचागिरी करने से पहले खुद को एक अच्छे चम्मच के रूप में ढाल लेते है, जिन इंसानों की कमर पीठ आपस में मिल रही हो और वे 380 कोण तक झुकने में माहिर हो समझिये वे कुशल और श्रेष्ठ चमचे है। आजकल चमचो को जानना पहचानना बड़ा मुश्किल हो गया है की जो व्यक्ति मेरे साथ है, मेरी हाँ में हां मिलाकर मुझे प्रोत्साहित कर रहा है क्या सच में वह मेरे प्रति निष्ठावान है या किसी की चमचागिरी कर उसके इशारे से मुझे शूली पर चढ़ा रहा है। असल में चमचागिरी इतनी व्यापक और विस्तारित हो गई है जहाँ अपने साथ रहकर अपने से प्रेम जताते रहे लोग, क्या सच में अपने साथ है या प्यार जताकर वे अपने विरोधी खेमे से उनके प्यारे चमचे है जिन्हें दुश्मन देश का एजेंट की भाँती अपने दुश्मन में शुमार समझा जाए, क्या यह हमारे लिए गंभीर प्रश्न ही नहीं समस्या नहीं होगी जो अपने आका के लिए चम्मचगिरी कर हमारे प्यार को ठुकुराकर गद्दारी का तमगा लेने की दिशा में उसकी सफलता हो।

चमचागिरी करने वाले चम्मच बड़े से बड़े रुतवे इनाम में पाते रहे है, आपके लिए उसकी चमचागिरी गद्दारी हो सकती है किन्तु यही गद्दारी का मिथक ओपन न होने की स्थिति में वह इन्सानी शक्ल कुशल चमचे को मात देकर अपने चमचे जैसी शकल को साबित कर चुकी होती है, यह तो आपका दुर्भाग्य है की आप दुसरे के चमचे से मात खा चुके होते है। चमचागिरी से अनेकों को पत्रकार बनते देखा है पर वे पत्रकारभर है, उन्हें लिखना नहीं आता, किन्तु वाक्पटुता में वे नटवरलाल को मात देकर चीन अमेरिका जैसे देशों को भी अपनी बपौती बताकर बेचने में दक्ष है इसलिए वे अपने मुख मियामिट्ठू होते है और लिखने के लिए चम्मच जो मिल जाया करते है। आप अच्छे लेखक, पत्रकार हो सकते है लेकिन चमचागिरी करने वालों के लिए आपकी औकात गेहूं की कटाई में गिरे हुए उस चने से ज्यादा नहीं हैं जो मिट्टी में गिरने के बाद मिटटी का भी हिसाब करने को बाध्य है। उन चम्मच पत्रकारों के रुतवे और उन्हें मिलने वाले तमगो की एक ठोकर भर आपके अस्तित्व को मिटटी में धसा देगी, आपके पाले हुए भ्रम रेगिस्तान में पानी को तरसते हिरण को दौड़ते दौड़ते थका कर बिन पानी प्राण त्यागने से ज्यादा कुछ नहीं है।

आप अपने आसपास देखिये, जहाँ नजर जायेगी आपको चमचे ही चमचे दिखेंगे, कोई प्रधानमंत्री या मंत्री का, कोई मुख्यमंत्री या उनके मंत्री का, कोई सांसद या विधायक का, कोई जिला प्रशासन या शासन का, कोई अदालत या पुलिस थाने का हर विभाग में चाहे वे सरकारी हो या गैर सरकारी सभी जगह, बस स्टैंड पर, अस्पताल में, होटलों में, पार्कों में सौ- सौ, पांच- पांच सौ रुपये के नोटों की गड्डियाँ लिए हाथों में डायरिया या मोबाइल के साथ चित्र खींचते, रिपोर्ट भरते चमचे मिल जायेंगे जो खुदका और अपने आकाओं का अपनी मूल सेवा से हटकर परदे के पीछे की सेवाओं के प्रदाता के रूप में काम करते मिल जायेंगे। असल में चमचों के इस ढेर में जो लूट खसूट के सरगना है वे किसी मंदिर में, ट्रस्ट में, सामाजिक सेवाओं के केन्द्रों में 'डाकू' के स्थान पर सेवक के रूप में अपनी इंसानी शक्ल को चमचे में ढालें हुए होते है ताकि डाकू की शक्ल दिहाड़ी काम करने वाले मजदूर से मैच कराई जाकर शैतानी शक्ल को बारूदीबम के खोल से मुक्त कर चमचे के रूप में घोषित कर दी जाए, जनता का क्या है नेता की शक्ल पर पहनावे पर वह खान ध्यान रखती है, बस कानों में घोषणा सुनाई भर जाए घोषणा ही उसके लिए संजीवनी बूटी का काम करती है, जनता को जनता की शकल प्यारी लगती है , चमचों जैसे लोग की जनता परवाह नहीं करती है।

असल में चमचो और चमचों जैसी इंसानी शक्ल का जोर तब तक रहेगा जब तक इस शक्ल का नकाब उतरने के बाद जनता उसे देख नहीं लेती है तब तक इन सिरफिरे चमचों का इतिहास पहाड़ों- किलों की दीवारों पर लिखा जाता रहेगा। इन चमचों ने अलंकारों के दिए हुए ओवरकोट पहने है, जिनके पास खुद अपनी योग्यता का कुछ भी नहीं, सिवाय दूसरों की सुहाग सेजों पर खुद कोने की तड़फ को पूरा करने में ये शैतान के बाप है और इनकी जिन्दगी कैदखाने की सिफारिश होनी चाहिए किन्तु ये कैद को रम व्हिस्की की तरह पीकर आज को कल में बदल खुशी में जीते है। इनकी हर रात बिस्तर में सोते समय पायजामे-शलवार की गांठे खुली होती है और उठते है तो बकरी की तरह कमजोर दुर्गन्ध से भरे होते है, जब ये अपने-आपको मृत पड़ा देखते हैं तो जिंदगी को याद में लाने के लिए तिकड़म लड़ाते हैं। इन चमचों के लिए अब कहने के लिए कुछ भी बाकी नहीं, तय करने के लिए कुछ भी बचा नहीं जैसे शब्द इनके लिए नपुंसक हो गए हों और एक एक कदम इनके लिए बाँझ हो गए हों, हम इन चमचों के इतिहास का गुणगान कैसे करे जबकि अगला कदम रखने के लिए इनके पास जमीन तक न हो, किन्तु ये चमचे आज न चाहते हुए भी हमारी संस्कृति का अंग बन चुके है। आप हो या हम इन चमचों के बिना सभी अधूरे है, हमारे पास हमारे चुने हुए जनप्रतिनिधि है, हमारा प्रशासन है और इनके पास अधिकृत चमचे है, इन्सान की शक्ल में ढलते चमचे, तिकड़मबाज और दुर्गन्ध से भरे चमचे जो सिर्फ कागजी शेर है, एक कागज पर प्रतिनिधि शेर अब खूंखार हो चुके है जिन्हें जंगलों में होना था वे शहर में खुलेआम शिकार कर रहे है और मजे से शिकार में हिस्साबांटी का कभी न खत्म होने वाला खेल चल रहा है, जिसका अंत दिखाई नहीं देता है।

पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान

युद्ध का स्वरूप अब पूरी तरह से बदल चुका है। अब युद्ध परम्परागत शैली में नहीं लड़े जाते बल्कि फाइटर जेट, मिसाइल और ड्रोन से लड़े जा रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-गाजा युद्ध और भारत और पाकिस्तान के बीच चले चार दिन के युद्ध ने हमें काफी सबक दिए हैं। अब यह तय है कि भविष्य में युद्ध जमीनी सीमाओं से उठकर अंतरिक्ष में लड़े जाएंगे। सारी दुनिया के देश तकनीकी और वैज्ञानिक प्रगति के चलते युद्ध के बदलते स्वरूप के अनुसार अभूतपूर्व प्रयास कर रहे हैं। एआई रोबो?टिक्स हाईपर सोनिक जैसी नई तकनीकें युद्ध कौशल में अकल्पनीय बदलाव ला रही हैं। युद्ध ने साइबर युद्ध और मनोवैज्ञानिक युद्ध जैसे नए मुखौटे पहन लिए हैं। देश के रक्षा तंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने के लिए केन्द्र की मोदी सरकार और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए लगातार बल दे रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि कभी रक्षा सामग्री का सबसे बड़ा आयातक अब दूसरे देशों को भी निर्यात करने लगा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच चार दिन के युद्ध में भारतीय सेना की जबरदस्त जीत के बाद भविष्य में सामरिक चुनौतियों का सामना करने के लिए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एडवांस्ट मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) कार्यक्रम के कार्यान्वयन मॉडल को मंजूरी दी है। यह भारत का पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है। लड़ाकू विमानों की कमी से जूझ रही भारतीय वायुसेना को मजबूत करने के लिए यह एक बहुत बड़ा फैसला है। क्योंकि पाकिस्तान चीन से पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीद रहा है। दूसरी तरफ भारत पर अमेरिका या फिर रूस से पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान खरीदने का दबाव है। ऐसे में यह फैसला काफी अहम है। इस कार्यक्रम को एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी (एडीए) उद्योगों के साथ साझेदारी में लागू करेगी। यह कदम स्वदेशी विशेषज्ञता, क्षमता और योग्यता का उपयोग करके एएमसीए प्रोटोटाइप विकसित करने की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर है, जो एयरोस्पेस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। एएमसीए भारत का पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट है, जिसे स्वदेशी तकनीक से विकसित किया जा रहा है। यह विमान अत्याधुनिक तकनीकों से लैस होगा, जैसे कि रडार से बचने की क्षमता, उन्नत हथियार प्रणाली और आधुनिक सेंसर। इस परियोजना का लक्ष्य भारतीय वायुसेना की ताकत को बढ़ाना और वैश्विक स्तर पर भारत को एक मजबूत रक्षा शक्ति के रूप में स्थापित करना है। रक्षा मंत्रालय के इस फैसले से न केवल रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी इनोवेशन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह भारतीय उद्योगों को भी वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेगा।

स्वदेशीकरण के साथ-साथ भारत ने अपने रक्षा मुकुट के लिए प्रमुख विदेशी रत्नों को अपनाया, विशेष रूप से रूस निर्मित एस-400 ट्रायम्फ मिसाइल प्रणाली। भारतीय सेवा में सुदर्शन चक्र नाम से प्रचलित इस प्रणाली को पश्चिमी मोर्चे पर महत्वपूर्ण शहरी और सैन्य बुनियादी ढांचे पर ड्रोन और मिसाइलों के समन्वित हमले के दौरान सक्रिय किया गया था। यह एस-400 के शामिल होने के बाद से इसका पहला बड़े पैमाने पर युद्ध-मान्यता प्राप्त उपयोग था और जब इसने आने वाले खतरों को रोका (प्रारंभिक गणना के अनुसार उनमें से 80 प्रतिशत से अधिक) भारत केवल हवाई क्षेत्र की रक्षा नहीं कर रहा था। यह एक घोषणा कर रहा था।

पूरी दुनिया ने देखा कि भारतीय वायुसेना ने एस-400 का उपयोग करके पाकिस्तान के हर हमले को नाकाम किया, बल्कि मिसाइलों से पाकिस्तान के राडार सिस्टम को नष्ट किया। साथ ही उसके 9 एयरबेस भी तबाह कर दिए। अतीत में केन्द्र की सरकारों ने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण के लिए धीमी गति का द?ष्टिकोण अपनाया। रक्षा सौदों में दलाली के प्रकरणों से देश?जूझता रहा। 2006 से 2014 तक भ्रष्टाचार के चलते अनेक रक्षा सौदों को रद्द करना पड़ा। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत ने फ्रांस से राफेल जेट, इजराइल से हेरान ड्रोन, अमेरिका से अपाचे हैलीकॉप्टर और टोही विमान, फ्रांस से स्कार्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां हासिल कीं। जैसे-जैसे भारत 21वीं सदी में आगे बढ़ रहा है भारत को और रक्षा सामग्री की जरूरत पड़ेगी।

हाल ही में भारत ने 30 किलोवाट का लेजर हथियार बनाकर बहुत बड़ी सफलता हासिल की है। यह हथियार इलैक्ट्रोनिक युद्ध में भी माहिर है। इससे दुश्मन की संचार एवं उपग्रह प्रणाली को जाम किया जा सकता है। सामरिक तैयारियों के लिए रक्षा बजट में भी बढ़ौतरी की गई है। बढ़े हुए बजट का अधिकतम हिस्सा विदेशी हथियार और उपकरण खरीदने में खर्च हो सकता है। पाकिस्तान की तबाही लड़ाकू विमानों और स्टीक मसाइलों ने ही की है। स्वदेशी ब्रह्मोस और आकाश का प्रदर्शन गजब का रहा। रक्षा क्षेत्र का लगातार कायापलट हो रहा है। भारत की जल, थल और नभ शक्ति बढ़ी है, तभी तो देशवासियों का भरोसा भारतीय सेना पर अटूट है। देशवासियों को अहसास है कि वे चैन की नींद तभी सो रहे हैं क्योंकि सीमाओं पर तैनात भारतीय जवानों का शौर्य बुलंदी पर है। पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने से रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि भारत वैश्विक रक्षा बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित होगा।

अमेरिका ने अपने दूतावासों पर नए स्टूडेंट वीजा के लिए इंटरव्यू पर रोक लगाई

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ का हर देश यह महसूस कर रहा है कि, डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के राष्ट्रपति चुने जाने से वे अपने चुनाव प्रचार में किए गए वादों को पूर्ण करने में तेजी से जुटे हुए हैं,अगर हम ट्रंप के चुनावी प्रचार की करीब-करीब हर सभा को देखें तो उसमें उन्होंने अमेरिकी फर्स्ट, टैरिफ, यूक्रेन-रूस युद्ध विराम, हमास-इजरायल युद्ध विराम सहित अनेको ऐसे वादे किए थे जो अमेरिका को फिर नंबर वन पर लाने में सहायक सिद्ध होंगे। पूरी दुनियाँ देख रही है कि ट्रंप अपने किए गए वादों को, एक के बाद एक पूरा करते हुए चले जा रहे हैं। इसी कड़ी में नए स्टूडेंट्स के लिए अमेरिका वीजा रोकने का फैसला भी देखा जा रहा है। मेरा मानना है कि अगर विदेशी छात्रों को अमेरिका पढ़ने के लिए आने के लिए रोकेंगे तो,स्थानीय छात्रों को अधिक मौका मिलेगा जिससे अमेरिका फर्स्ट का वादा पूरा होगा। दूसरे एंगल से अगर हम देखें तो हमने कई मौका पर अनेक विवादों में अमेरिका में पढ़ने आए विदेशी छात्रों द्वारा दूतावासों पर जाकर प्रदर्शन आंदोलन कर माहौल खराब करने की कोशिश की जाती है, जिसका संज्ञान शायद ट्रंप साहब ने लिया होगा। कुल मिलाकर इस फैसले से आंदोलनप्रदर्शन आतंकवाद समर्थन पर रोक तथा अमरीक फर्स्ट दोनों लक्ष्यों का आभास होता है, हालांकि यह रोक -टेंपवरी है जब इसे कंटिन्यू किया जाएगा तो, वीजा की चाहना रखने वाले छात्रों को सोशल मीडिया के हर प्लेटफार्म पर 2019 से अपने रिकार्ड को दिखाने की शर्त हो सकती है,जो रेखांकित करने वाली बात है।चूँकि अमेरिका ने दुनियाँ भर में अपने दूतावासों पर नए स्टूडेंट वीजा के लिए इंटरव्यू पर रोक लगाई है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमेरिका में छात्र वीजा पर रोक आतंकवादी या कट्टरपंथी संगठनों के छात्र बहरूपिया में आने से रोकना? या अमेरिकी फर्स्ट नीति का हिस्सा हो सकता है?

साथियों बात अगर हम अमेरिका द्वारा छात्र वीजा पर रोक लगाने को समझनें करें तो,अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को छात्र और विनिमय आगंतुक वीजा के लिए नई नियुक्तियां निर्धारित करना बंद करने का निर्देश दिया, जबकि अमेरिकी विदेश विभाग अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सोशल मीडिया स्क्रीनिंग का विस्तार करने की तैयारी कर रहा है। विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, हम अपने वीजा स्क्रीनिंग और जांच में सभी उपलब्ध जानकारी का उपयोग करते हैं। हालांकि बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किस सामग्री को आपत्तिजनक माना जा सकता है, लेकिन वीजा आवेदकों से उनके फॉर्म पर 2019 से लेकर अब तक की सोशल मीडिया जानकारी देने के लिए कहा गया है।विदेश मंत्री का यह आदेश ट्रम्प प्रशासन द्वारा हार्वर्ड विश्वविद्यालय को कथित यहूदी विरोधी भाषण और गाजा में इजरायल की कार्रवाई की आलोचना को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए दंडात्मक निशाना बनाये जाने के बीच आया है। हाल के वर्षों में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका को चुनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है, तथा अब अमेरिका कनाडा के बाद दूसरे स्थान पर हैं,जिन लोगों ने पहले ही इंटरव्यू अप्वाइंटमेंट स्लॉट बुक कर लिए थे, उन पर इस फैसले का कोई असर नहीं होगा।अमेरिका का ये निर्णय ऐसे समय पर आया है, जब राष्ट्रपति ट्रंप की सरकार विदेशी छात्रों के सोशल मीडिया अकाउंट की सख्ती से जांच के लिए नियम बनाना चाहती है। इस फैसले से बहुत से छात्र अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।आदेश में साफ तौर पर कहा गया है कि सिर्फ नई बुकिंग शेड्यूल नहीं करनी है। लेकिन जिन लोगों ने पहले से ही अप्वाइंटमेंट बुकिंग की हुई है, वे वीजा इंटरव्यू दे सकते हैं और उसे पास कर स्टूडेंट वीजा हासिल कर सकते हैं। इस तरह पहले से बुकिंग रखने वाले छात्रों को राहत है।

साथियों बात अगर हम छात्र वीजा पर रोक लगाने के पीछे संभावित कारणों की करें तो, ट्रंप सरकार का वीजा अप्वाइंटमेंट बुकिंग रोकने का ये फैसला ऐसे समय पर आया है, जब राष्ट्रीय सुरक्षा खतरों और कैंपस में अशांति की चिंताओं का हवाला देकर पहले ही विदेशी छात्रों की एंट्री मुश्किल बना दी गई है। विदेशी मंत्री ने पहले ही विदेशी छात्रों को लेकर कड़ा रुख अख्तियार करने का संकेत दिया था। मार्च में उन्होंने कहा था कि कुछ छात्र ऐसे हैं, जो अमेरिका में पढ़ने नहीं, बल्कि प्रदर्शन करने आ रहे हैं। कैंपस में प्रदर्शन करने को लेकर पहले ही कई सारे छात्रों का वीजा रद्द किया गया है। तोड़फोड़-हंगामा करने के लिए नहीं मिलेगा वीजा, विदेश मंत्री ने कहा कि

टफ्ट्स यूनिवर्सिटी की डॉक्टरेट की छात्रा को गाजा के समर्थक में एक ऑप-एड लिखने के बाद गिरफ्तार किया गया। लेकिन फिर उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। इस केस का हवाला देते हुए कहा,अगर आप अमेरिका में आने और छात्र बनने के लिए वीजा के लिए अप्लाई करते हैं। फिर आप हमें बताते हैं कि आप यूएस में इसलिए आ रहे हैं, क्योंकि आप सिर्फ ऑप-एड ही नहीं लिखना चाहते हैं, बल्कि प्रदर्शनों में हिस्सा लेना चाहते हैं। ऐसे प्रदर्शनों में जिसमें यूनिवर्सिटी में तोड़फोड़, छात्रों को परेशान करना, इमारतों पर कब्जा करना, हंगामा करना जैसी चीजें शामिल हैं, तो हम आपको वीजा नहीं देंगे।दरअसल, अमेरिका में पिछले साल कॉलेज कैंपसों में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शन देखने को मिले। इसमें विदेशी छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कुछ कैंपसों यहूदी विरोधी घटनाएं भी सामने आईं। ऐसे में अमेरिका चाहता है कि किसी भी ऐसे छात्र को वीजा नहीं मिले, जो इस तरह के प्रदर्शनों में शामिल हो सकता है या किसी आतंकी संगठन का समर्थन करता हो। ऐसे छात्रों की पहचान उनके सोशल मीडिया अकाउंट से हो रही है। वीजा देने से पहले आवेदकों के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच करने का प्लान बनाया गया है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर अभी इस संबंध में कुछ नहीं कहा गया है।

साथियों बात अगर हम अमेरिका की छात्र वीजा रोक नीति का असर भारत पर पढ़ने की करें तो, भारतीय विदेश राज्य मंत्री ने संसद के 2024 के मानसून सत्र के दौरान एक लिखित उत्तर में विदेश में पढ़ रहे भारतीय छात्रों के बारे में नवीनतम डेटा प्रदान किया। 2024 में विदेश में पढ़ने वाले 1,335,878 भारतीय छात्रों में से लगभग 427,000 कनाडा में और 337,630 अमेरिका में थे, जिससे यह दूसरा सबसे पसंदीदा गंतव्य बन गया अमेरिकी दूतावास के सूत्रों के अनुसार, भारत में अमेरिकी मिशन ने पिछले पांच वर्षों में 2018, 2019 और 2020 की तुलना में अधिक छात्र वीजा जारी किए हैं, जब संयुक्त संख्या एक लाख से भी कम छात्र वीजा थी। विभिन्न अमेरिकी संस्थानों में प्रवेश के लिए 2022 और 2023 में भारतीय छात्रों को क्रमशः कुल 115,115 और 130,730 छात्र वीजा दिए गए। हालाँकि 2024 में यह संख्या घटकर 86,110 रह गई, फिर भी छात्र वीजा जारी करने के मामले में भारत पहले स्थान पर है, जो चीन से आगे है, जिसके पास लगभग 82,000 छात्र वीजा थे अमेरिका भारतीय छात्रों के लिए शीर्ष गंतव्य कैसे बन गया? - संयुक्त राज्य अमेरिका 4,000 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों के साथ अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है, जिनमें से अधिकांश चार वर्षीय डिग्री कार्यक्रम प्रदान करते हैं। जबकि कई अमेरिकी संस्थानों को आईईएलटीएस स्कोर की आवश्यकता नहीं होती है, छात्रों को अभी भी अंग्रेजी में अपनी दक्षता साबित करने की आवश्यकता होती है। अमेरिकी अधिकारियों ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों को बढ़ावा देने और अधिक भारतीय छात्रों को आकर्षित करने के लिए भारत भर में सक्रिय रूप से शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। अतः अगर हम अपने विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अमेरिका ने दुनियाँ भर में अपने दूतावासों पर नए स्टूडेंट वीजा के लिए इंटरव्यू पर रोक लगाई अमेरिका की छात्र वीजा पर रोक-आतंकवादी या कट्टरपंथी संगठन सदस्यों के बहरूपिए छात्रों के आने पर रोक? या अमरीकी फर्स्ट नीति का हिस्सा ?आंदोलनों प्रदर्शनों में भाग लेने वाले वीजा आवेदक छात्रों की पहचान सोशल मीडियाके अनेकों प्लेटफॉर्म्सर्से करउनको वीजा नहीं देना इस आदेश का उद्देश्य हो सकता है।

आपरेशन सिंदूर और शल्यवादी विपक्ष

महाभारत संग्राम में एक सिद्धांत निकल कर आया ह्यशल्यवादह्ल माद्रीपुत्र नकुल-सहदेव के मामा माद्रा (मद्रदेश) के राजा शल्य थे। महाभारत में पाण्डवों के पक्ष में युद्ध करने आए शल्य का दिल अतिथि सत्कार से जीत कर दुर्योधन ने छल से उन्हें अपने खेमे में कर लिया। उन्होने कर्ण का सारथी बनना स्वीकार किया और कर्ण की मृत्यु के पश्चात युद्ध के अंतिम दिन कौरव सेना का नेतृत्व भी किया और युधिष्ठिर के हाथों वीरगति को प्राप्त हुए। वे कर्ण के सारथी तो बन गये किन्तु उन्होंने युधिष्ठिर को यह भी वचन दिया कि वे चाहे खड़े कौरव सेना के साथ दिखेंगे परन्तु युद्ध पाण्डवों के पक्ष में ही लड़ेंगे। इसके लिए उन्होंने अपने वचनों से कौरवों को ही हतोत्साहित करना शुरू किया। अपने ही लोगों का मनोबल तोड? की नीति ह्यशल्यवादह्ल कहाती है। वर्तमान में आपरेशन सिंदूर के बाद भारत का विपक्ष भी इसी शल्यवादी की नई परिभाषा लिखता दिखाई दे रहा है। भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ चलाए आपरेशन सिंदूर के दौरान विपक्षी दलों ने चाहे देश व सरकार के साथ एकजुटता जताने की बात कही परन्तु पूरे आपरेशन के दौरान विपक्षी नेताओं की कंटीली जिव्हा देश को मर्माहत करती रही।

आपरेशन सिन्दूर को लेकर सरकार को समर्थन देने वाली कांग्रेस ने आपरेशन के स्थगित होने के बाद जो कुछ कहा है वह सबकुछ उसकी एकजुटता की प्रतिबद्धता के विपरीत दिखाई देता है। आपरेशन स्थगित होने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा अन्य वरिष्ठ नेताओं ने जो कहा है वह दुश्मन देश को सांत्वना देने वाला था। इसलिए वहां के मीडिया ने उसे हाथों हाथ लपका। खड्गे ने ऑपरेशन सिन्दूर को एक छोटी-मोटी झड़प बताया वहीं राहुल गांधी ने विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री द्वारा ह्यआपरेशन सिन्दूर को लेकर दिये बयानों पर पलटवार करते हुए जो कहा उससे उनकी अपनी और कांग्रेस पार्टी की छवि ही कमड्डोर हुई। कांग्रेस नेता ने ह्यऑपरेशन सिन्दूर के संदर्भ में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की एक कथित टिप्पणी को लेकर कहा कि यह ह्यपापह्ल है और ह्यसिन्दूर का सौदाह्ल है, जिस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा विदेश मंत्री को जवाब देना चाहिए। राहुल ने तो यहां तक पूछा कि हमने कितने भारतीय विमान गंवा दिए क्योंकि पाकिस्तान को पहले से पता था। उन्होंने कहा कि देश को सच जानने का पूरा हक है।

कांग्रेस और राहुल गांधी ने जयशंकर के एक बयान का वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया है कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर हमलों से पहले, भारत सरकार ने पाकिस्तान को इस बारे में सूचित किया था। हालांकि, विदेश मंत्रालय ने इस तरह के दावों को गलत बताया था कि विदेश मंत्री जयशंकर ने सात मई को ऑपरेशन सिन्दूर शुरू होने से पहले पाकिस्तान को सुचेत किया था। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि राहुल गांधी ने विदेश मंत्री के बयान पर कुछ सवाल पूछे हैं। यह बहुत अहम है, क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अलग-अलग देशों में एक बात दोहराते रहे कि उन्होंने युद्ध रुकवाने के लिए मध्यस्थता की। ट्रंप ने एक बहुत खौफनाक बात यह भी बोली कि उन्होंने भारत को व्यापार रोकने की धमकी देकर युद्ध रुकवाया। यानी सिन्दूर का सौदा होता रहा, प्रधानमंत्री चुप रहे। विदेश मंत्री के मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा है। ऑपरेशन सिन्दूर के स्थगित होने के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र बीकानेर के पलाना में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि अब हर आतंकी हमले की पाकिस्तान को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और यह कीमत पाकिस्तान की सेना और उसकी अर्थव्यवस्था चुकाएगी।

जिला परिषद पालघर में मनाई गई शूरवीर महाराणा प्रताप की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में गुरुवार 29 मई 2025 को शूरवीर महाराणा प्रताप की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्र शिंदे ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बतादें कि महाराणा प्रताप, जिन्हें राणा प्रताप सिंह के नाम से भी जाना जाता है। 16वीं शताब्दी के महान राजपूत योद्धा और राजस्थान के मेवाड़ राज्य के शासक थे। उनका जन्म 9 मई 1540 को हुआ था और उन्होंने 1572 से लेकर 19 जनवरी 1597 तक मेवाड़ पर शासन किया। उनका जीवन पराक्रम, स्वाभिमान और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण का प्रतीक रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान जिला परिषद के संवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, माध्यमिक शिक्षणाधिकारी संगीता भागवत, प्राथमिक शिक्षणाधिकारी सोनाली मातेकर समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नागरिक संरक्षण दल के उपनियंत्रक की सुपुत्री स्नेहल का विवाह धूमधाम से संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति)। नागरिक संरक्षण दल के उपनियंत्रक काशीनाथ कुरकुटे (निवासी कुर्झे, बारग पाड़ा, तलासरी) की सुपुत्री स्नेहल का विवाह राजेश प्रजापति (निवासी पाटील पाड़ा, तलासरी) के सुपुत्र तेजस प्रजापति के साथ जेष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, शनिवार 24 मई 2025 को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया।

यह शुभ विवाह समारोह दहानू तहसील के शहर क्षेत्र में स्थित आगर के नानी माता मंदिर के समीप एक हॉल में आयोजित किया गया। जिसमें परिवारजनों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों एवं समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। इस शुभ अवसर पर उपनियंत्रक काशीनाथ कुरकुटे एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती जयश्री कुरकुटे ने वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद दांपत्य जीवन की कामना की। कार्यक्रम में आए अतिथियों ने भी नवविवाहित दंपति को शुभकामनाएं व आशीर्वाद प्रदान किया। समारोह में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह के सभी संस्कार पूरे किए गए। इस मौके पर कुरकुटे परिवार की ओर से सभी मेहमानों के लिए स्नेह भोज का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर सभी आगंतुकों में हर्ष का वातावरण देखने को मिला।

क्विक हील टेक्नोलॉजीज ने AntiFraud.AI का फ्रीमियम मॉडल लॉन्च किया

मुंबई। सीमापार बढ़ते साइबर खतरों और आम लोगों की डिजिटल गतिविधियों में तेजी को देखते हुए, भारत की सबसे भरोसेमंद साइबर सुरक्षा कंपनी क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने अपने प्रमुख समाधान AntiFraud.AI का फ्रीमियम वर्जन लॉन्च करने की घोषणा की है। यह साहसिक और समयानुकूल कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते डिजिटल मोर्चा भी उतना ही अहम हो गया है जितना पारंपरिक युद्धक्षेत्र। AntiFraud.AI की एक खासियत यह है कि यह न केवल फोन पर मौजूद खतरनाक ऐप्स का पता लगाता है, बल्कि उन छिपे हुए या अदृश्य ऐप्स को भी खोज निकालता है जो यूजर की जानकारी के बिना चुपचाप काम करते हैं। आमतौर पर ऐसे ऐप्स का इस्तेमाल फिशिंग, जासूसी सॉफ्टवेयर और वित्तीय धोखाधड़ी के लिए किया जाता है। AntiFraud.AI इन ऐप्स को लेकर यूजर को सतर्क करता है और उन्हें हटाने या नियंत्रित करने के सुझाव देता है। इस तरह यह हर मोबाइल यूजर के लिए एक जरूरी सुरक्षा परत बन जाता है।

कैरेटलेन ने लॉन्च किया 'रनवे': पहली फाइन ज्वेलरी जो एविएशन की महिलाओं के सम्मान में प्रस्तुत की गयी है

मुंबई/पटना। कैरेटलेन - ए टाटा उत्पाद, ने हाल ही में अपना क्रांतिकारी नया ज्वेलरी कलेक्शन – रनवे, प्रस्तुत किया है, जो एविएशन में काम करने वाली महिलाओं के जोश, महत्वाकांक्षा और शान का जश्न मनाता है। इस लॉन्च के साथ, कैरेटलेन आकाश में अपनी कुशलताओं का दमदार प्रदर्शन देने वाली अग्रणी महिलाओं को सम्मानित करने वाला पहला भारतीय आभूषण ब्रांड बन गया है। कैम्पेन फिल्म में एक कमर्शियल पायलट, एक केबिन क्र्यू पायलट और फाइटर पायलट की कहानियों को दिखाया गया है। इन सभी ने इस कलेक्शन के जरिए उड़ान के प्रति अपने समर्पण को व्यक्त करने के अपने अनूठे तरीके खोजे हैं। कैटेगरी के लिए दुनिया में पहल कर, रनवे कलेक्शन परंपरा से ऊपर उठता है। यह कलेक्शन 9 कैरेट और 14 कैरेट सोने और हीरों से तैयार किए गए 20+ डिजाइनों का एक शानदार लाइन-अप है। कुछ डिजाइनों में मोबाइल एयरक्राफ्ट मोटिफ हैं जो बहुत ही शानदार हैं। हर डिजाइन बेहतरीन आभूषणों के जरिए उड़ान, साहस और आसमान को छूने वाले सपनों की कहानी बयान करता है। कैरेटलेन ने मुंबई के बांद्रा में अपने सिग्नेचर स्टोर में एक भव्य एक्सक्लूसिव कलेक्शन प्रिव्यू कार्यक्रम आयोजित किया। वास्तविक जीवन के केबिन क्रू को विशेषतः आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम में अभिनेत्री, राजनीतिज्ञ और एडवेंचर की शौकीन गुल पनाग, जो एक लाइसेंस प्राप्त निजी पायलट भी हैं, ने उपस्थित रहकर चार चाँद लगा दिए। कैरेटलेन के एमडी श्री शोमेन भौमिक ने कहा, भारत में एविएशन दुनिया भर में सबसे तेजी से बढ़ने वाले उद्योगों में से एक है, और हमें गर्व है कि हमारे पास महिला पायलटों की संख्या सबसे ज्यादा है।

टीमा अस्पताल को चालू रखने की मांग को लेकर सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित टीमा अस्पताल को सुचारू रूप से चालू रखने के लिए बुधवार 28 मई 2025 को विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ को ज्ञापन पत्र सौंपा।

बतादें कि बोईसर शहर में संचालित टीमा अस्पताल में प्रतिदिन करीब 550 से 600 गरीब, मजदूर, आदिवासी, दलित और पीड़ित नागरिकों को ओपीडी सेवाएं मिलती हैं। इस अस्पताल का संचालन जिला स्वास्थ्य प्रशासन कर रहा है, लेकिन टीमा एसोसिएशन अस्पताल को बंद करने की तैयारी में है, जिसे लेकर स्थानीय नागरिकों और संगठनों में रोष है।

जिलाधिकारी डॉ. इंदुरानी जाखड़ के समक्ष जनता से जुड़े मुद्दे रखते हुए श्रमिक सेना के सचिव संजय जे. पाटील ने टीमा हॉस्पिटल के मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि टीमा संस्था को सरकार द्वारा दी गई जमीन का उद्देश्य गरीबों और श्रमिकों के लिए मुफ्त चिकित्सा सेवा था, लेकिन अब यह संस्था निजीकरण और व्यावसायीकरण की दिशा में जा रही है। संजय पाटील ने चेतावनी दी कि यदि टीमा और टीएमआरसीटी

अस्पतालों को प्रशासन के नियंत्रण में नहीं लिया गया तो श्रमिक सेना उग्र आंदोलन करेगी। इस दौरान उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि टीआईएमए, औद्योगिक विकास निगम और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के बीच भारी भ्रष्टाचार है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए। इस अवसर पर डॉ. जाखड़ ने आश्वासन देते हुए कहा कि टीमा हॉस्पिटल चालू रहेगा तथा उन्होंने मिल रही शिकायतों की जांच के लिए अधिनस्थों को तत्काल टीम गठित करने का निर्देश भी दिया। इस मौके पर सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल में शिवसेना के उपनेता जगदीश धोडी, आनंद धोडी, लक्ष्मी चांदणे, भाजपा के महेंद्र भोणे, मनसे के भावेश चुरी, समीर मोरे, आरपीआई (आठवले) के सचिन लोखंडे, कांग्रेस के अविश राऊत, आदिवासी एकता परिषद (भूमिसेना) व अन्य संगठनों के पदाधिकारियों समेत मीडियाकर्मी मौजूद रहे।

धारावी में आपदा पीड़ितों को राज्य सरकार तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करे: बाबूराव माने

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शनिवार रात 1:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक मुंबई में भारी बारिश हुई। अचानक हुई बारिश और नाले की सफाई के अधूरे काम की वजह से धारावी में कई झोपड़ियों और घरों में पानी जमा हो गया है, जिससे कई धारावी निवासियों का जीवन खतरे में पड़ गया है। शिवसेना पक्ष प्रमुख उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के पूर्व विधायक बाबूराव माने ने पुरजोर मांग की है कि राज्य सरकार और मुंबई महानगरपालिका प्रशासन इन आपदा प्रभावितों को तत्काल आर्थिक सहायता प्रदान करे।

बता दें कि मुंबई महानगरपालिका के चुनाव दो साल से नहीं हुए हैं। इस वजह से फिलहाल महानगरपालिका में कोई नगरसेवक नहीं है। नगरसेवकों की कमी की वजह से स्थानीय स्तर पर नाले की सफाई, गलियों की सफाई और गलियों में अन्य सफाई के काम ठप पड़े हुए हैं। इन रुके हुए कामों की वजह से शनिवार और रविवार को लगातार हुई बारिश की वजह से झोपड़ियों और घरों में घुटनों से ज्यादा पानी जमा हो गया। इस कारण कपड़े, अन्य घरेलू सामान, बच्चों के स्कूल बैग और नोटबुक का नुकसान हुआ है। इसके अलावा, इस बारिश ने धारावी में झोपड़ियों और लघु उद्योगों को भी काफी नुकसान पहुंचाया है। बाबूराव माने ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि सरकार को प्राथमिकता के आधार पर झुग्गीवासियों और छोटे घरेलू व्यापारियों को तत्काल आर्थिक सहायता, खाद्यान्न और नोटबुक उपलब्ध कराने की जरूरत है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर मुंबई हिंदी पत्रकार संघ 6 विभूतियों का करेगा सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई हिंदी पत्रकार संघ के तत्वावधान में शुक्रवार 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस पर हिंदी सेवी सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। बांद्रा पूर्व, टीचर्स कॉलोनी, मेट्रो स्टेशन के पास स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन हाल में शाम 3:30 बजे से आयोजित हिंदी सेवी सम्मान समारोह में हिंदी के समग्र विकास में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 6 विभूतियों को सम्मानित किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष आदित्य दुबे ने बताया कि पत्रकारों के हितार्थ काम करने वाला मुंबई हिंदी पत्रकार संघ हर साल हिंदी सेवियों को सम्मानित करता आ रहा है। इस वर्ष गीतकार समीर अनजान, उद्योगपति ज्ञान प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार विमल मिश्र, साहिल जोशी, प्रो. बृजेश मिश्र तथा यतेंद्र सिंह यादव को हिंदी सेवा सम्मान प्रदान किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार, विशिष्ट अतिथि मंत्री प्रताप सरनाईक तथा मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार संजय द्विवेदी उपस्थित रहेंगे।

अंधेरी में महिलाओं ने किया संगीतमय सुंदरकांड पाठ

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामाजिक संस्था पीएस फाउंडेशन ने समस्त मानव कल्याण और समाज में सद्भावना का संदेश फैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को अंधेरी (पूर्व) के पंपहाउस, वार्ड क्रमांक-79 स्थित सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल परिसर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि सुंदरकांड पाठ महिलाओं ने किया। पीएस फाउंडेशन महिला स्वावलंबन समिति की अध्यक्ष स्वीकृति प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में महिलाएं पूरे उत्साह और भक्ति भाव से शामिल हुईं। व्यासपीठ पर बैठी पुष्पा त्रिपाठी ने सुंदरकांड पाठ के दौरान बजरंग बली के गुणों और उनके आदर्शों को सरल व प्रभावशाली शब्दों में प्रस्तुत किया। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों को

संदेश दिया कि कठिन समय में भी धैर्य और एकजुटता के साथ एक-दूसरे की सहायता करना चाहिए। इस दौरान स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति और सद्भावना स्थापित करना है।

उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए ऐसे आयोजन होते रहें,जिससे लोगों को सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त हो। पीएस फाउंडेशन के इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कार्यक्रम को सफल बनाया।

मच्छर भगाने वाले उत्पादों का सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग

मुंबई। डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया जैसी मच्छर जनित बीमारियां आज भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम बनी हुई हैं। खासकर छोटे बच्चों के लिए, जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अभी विकसित हो रही होती है। मानसून के आगमन के साथ इन बीमारियों का खतरा और बढ़ जाता है। अधिकतर घरों में मच्छरों से बचाव के लिए रिपेलेंट्स का सहारा लिया जाता है, लेकिन इन्हें लेकर अब भी बहुत भ्रम है। कुछ लोग इनका सही तरीके से इस्तेमाल नहीं करते, तो कुछ पूरी तरह से इनसे बचते हैं। अक्सर गलतफहमियों या सुरक्षा को लेकर चिंता के कारण। आज जब एयरोसोल, लिक्विडवेपोराइजर और अगरबत्ती जैसे कई विकल्प उपलब्ध हैं, तो यह जानना जरूरी है कि इन्हें सुरक्षित तरीके से कैसे चुनें और उपयोग करें, खासकर बच्चों वाले घरों में।

केंद्रीय पेट्रोलियम व नेचुरल गैस समिति के सदस्य और सांसद प्रताप राव पाटिल से मंत्रालय में सदिच्छा भेट करते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी कामगार सेल और अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ राजेंद्र राय शर्मा, मुंबई अध्यक्ष रवि गवली,जितेन्द्र राठौड़, जयसिंग परमार और राहुल खूने

मुंबई में जलजमाव की स्थिति को देखते हुए मुंबई मनपा आयुक्त भूषण गगरानी और मंत्री आशीष शेलार के साथ बैठक हुई

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले कुछ दिनों से मुंबई में हो रही बारिश के कारण अनेक इलाकों में बाढ़ की समस्या खड़ी हो गई है। इसे देखते हुए महाराष्ट्र सरकार के मंत्री और मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने भाजपा प्रतिनिधि मंडल के साथ मनपा आयुक्त भूषण गगरानी के साथ बैठक की। बैठक में नालों की अपर्याप्त सफाई, मीठी नदी में कचरा निकालने का अधूरा काम ब्रिमस्टोवड प्रकल्प का शुरू न होना,खराब जर्जर सड़कें, निजी जमीन पर खतरनाक पेड़ों की छंटाई, खतरनाक इमारतों और भूस्खलन की पुनरावृत्ति, पहाड़ियों के किनारे की बस्तियों पर मंडरा रहे खतरे , अपर्याप्त पंपिंग स्टेशन और अस्थायी पंप लगाने में अकार्यक्षमता के बारे में अनेक मुद्दों के बारे में आयुक्त को अवगत कराया गया। इसके अलावा

मुंबईकरों की ओर से निवेदन दिया गया। इसके अलावा पिछले 20 वर्षों में नालों, मीठी नदी, ब्रिमस्टोवड से संबंधित 1 लाख करोड़ रुपये के खर्च पर तुरंत श्वेत पत्र प्रकाशित करने की भी मांग की गई। मनपा आयुक्त से इन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई ।कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए और निर्देश दिए कि कुछ निर्णय तुरंत लिए जाएं। इस अवसर पर मंत्री आशीष शेलार के साथ गट नेता प्रभाकर शिंदे, विनोद मिश्रा, पूर्व नगरसेविका आशा ताई मराठे रवि राजा, कमलेश यादव, रीता मकवाना, प्रकाश गंगाधर, हर्षिता नार्वेकर, रोहिदास लोखंडे उपस्थित थे।

उ.प्र.जद (यु) उपाध्यक्ष सुश्री शालिनी पटेल का मुंबई में सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की जनता दल (यु) की प्रदेश उपाध्यक्ष सुश्री शालिनी सिंह पटेल के मुंबई आगमन पर सम्मान समारोह का आयोजन केशव पाडा,मुलुंड प.पर किया गया।

इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवक जगदीश सिंह पटेल, डॉ.बाबूलाल सिंह पटेल,रमाशंकर तिवारी (महासचिव समाज वादी पार्टी मुंबई),डॉ.आर. एम. पाल (महासचिव महाराष्ट्र कांग्रेस उ.भा.सेल), समाज सेवक डॉ.राममूर्ति वर्मा,बी.चक्रवर्ती ने शाल एवम पुष्पगुच्छ देकर शालिनी पटेल का सम्मान किया। इस अवसर पर बोलते हुए शालिनी पटेल ने कहा कि वे हमेशा सामाजिक न्याय की लड़ाई लडती आ रही है ।सदैव पिछड़ों,दलित ,गरीब, शीषितों पर हो रहे अन्याय और अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद रूप से सरकार व अधिकारियों के समक्ष पेश कर न्याय दिलाया है।

उन्होने सभी वरिष्ठ जनों का आशिर्वाद मांगा कि वह इस सामाजिक न्याय की लड़ाई को लडने हेतु उन्हे संबल प्रदान करें।

उन्होंने सम्मान हेतु मुंबई के समाजसेवियों का आभार व्यक्त किया।

जसलोक हॉस्पिटल में सबसे कम वजन वाले समय-पूर्व जन्मे शिशु का सफल उपचार

मुंबई। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, मुंबई ने सर्जरी तथा गहन देखभाल प्रबंधन की जरूरत वाले एक विरल तथा जटिल मामले में, प्रसव के समय कम भार (1.3 किग्रा) तथा टाइप सी साँसनली और ग्रासनली के नालव्रण (ट्रेकिओ-ओएसोफैगल फिस्टुला) (टीईएफ) से ग्रसित, 30 सप्ताह आयु वाले समय-पूर्व जन्मे शिशु का सफल उपचार किया। साँसनली और ग्रासनली के बीच असामान्य जुड़ाव के कारण यह यह जन्मजात समस्या बनती है, जिसमें अत्यधिक लार निकलती है तथा दम घुटने व फेफड़ों में संक्रमण का जोखिम अधिक रहता है।

जसलोक हॉस्पिटल की चिकित्सीय टीम ने सिंगल स्टेज करेक्टिव सर्जरी करने के पश्चात ओसोफेगल डाइलेशन किया, जो इस तरह के नाजुक मामले में एक अद्वितीय उपलब्धि है। कई प्रकार के विशेषज्ञों वाली टीम के तालमेल से संभव हुए इस प्रयास के पश्चात,शिशु की हालत अब स्थिर है, उसे केवल स्तनपान कराया जाता है, उसका भार 1.8 किग्रा है तथा शीघ्र ही उसे हॉस्पिटल से घर भेज दिया जाएगा।

वापी, गुजरात में जन्मे इस शिशु में इस विकार के कारण प्राणघातक जटिलताएं थीं, तथा बेहतर उपचार विकल्पों हेतु उसके अभिभावकों ने डॉ. फजल नबी, डॉयरेक्टर, पीडियाट्रिक्स, जसलोक हॉस्पिटल से संपर्क किया। मामले की जटिलता को देखते हुए शिशु को हॉस्पिटल लाने के लिए डॉ. फजल नबी खुद वापी तक गए ताकि लाए जाने के दौरान शिशु की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके तथा उनकी विशेषज्ञ निगरानी में शिशु को आर्टिफिशियल वेंटिलेशन के साथ जसलोक हॉस्पिटल लाया गया। शिशु को तत्काल ही पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट (पीआईसीयू) में भर्ती कर दिया गया, जहाँ डॉ. फजलनबी ने शिशु के उपचार का दायित्व संभाला। लाए जाने पर शिशु को वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था, इनोट्रोप्स के साथ हीमोडायनेमिक स्टेबिलाइजेशन दिया जा रहा था, तथा इंटेंसिव सेप्सिस प्रबंधन शुरू किया गया।

उसके पश्चात, जसलोक हॉस्पिटल की प्रख्यात पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. नरगिस बारसीवाला से परामर्श किया गया, जिन्होंने बताया कि शिशु की हालत स्थिर होने के पश्चात सिंगल-स्टेज सर्जरी सबसे उपयुक्त रहेगी। तीसरे दिन, डॉ.बारसीवाला ने सिंगल-स्टेज करेक्टिव सर्जरी की, जिसमें नालव्रण को बाँध दिया गया तथा ग्रासनली को एक से दूसरे सिरे तक शाखामिलन किया गया, जिसके पश्चात शिशु को इंटेंसिव केयर यूनिट में पहुँचा दिया गया। सर्जरी के बाद की अवधि में, टीम को आंतों की गतिशीलता से संबंधित एक और समस्या का सामना करना पड़ा। समय-पूर्व जन्म तथा कम भार के कारण आंत्र संचलन ठीक नहीं था। शिशु को आंशिक टीपीएन के साथ (एनजी) नासोगैस्ट्रिक ट्यूब फीडिंग पर रखा गया था। निगलने में भी शिशु को कठिनाई होती थी। लगभग एक माह तक नासोगैस्ट्रिक ट्यूब से आहार दिया गया तथा उसके पश्चात फीडिंग गैस्ट्रोस्टोमी करने का निर्णय लिया गया तथा एनजी नली हटा दी गई। हालांकि, एक माह पश्चात भी, निगलने में शिशु को कठिनाई होती थी। यह समस्या दूर करने हेतु, गैस्ट्रोस्टोमी की गई। सबसे छोटे उपलब्ध डायलेटर के प्रयोग द्वारा टीम ने ओसोफेगल डाइलेशन करने का फैसला किया, जिसमें काफी जोखिम था। डॉ. पंकज धवन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी कंसल्टेंट, जसलोक हॉस्पिटल ने डॉ. फजल तथा डॉ. बारसीवाला की अगुवाई में पीडियाट्रिक इंटेंसिव केयर यूनिट और एनेस्थीसिया टीम से पूरे सहयोग के साथ यह नाजुक प्रक्रिया पूरी की। उसके बाद, शिशु ने स्वयं ही निगलना प्रारंभ कर दिया, जिसके बाद एनजी ट्यूब हटा दी गई। डॉ. फजल नबी , डॉयरेक्टर, पीडियाट्रिक्स, जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि, शिशु को लाए जाने के समय वह जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहा था - छोटा और नाजुक जिसे तुरंत उपचार की आवश्यकता थी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

प्रधानमंत्री आवास योजना में भ्रष्टाचार का आरोप

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत गौराबादशाहपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के नाम पर भारी भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। लाभार्थियों से आवास जांच व स्वीकृति के नाम पर खुलेआम धन की मांग की जा रही है। बुधवार को कई महिलाओं ने जिला मुख्यालय पहुंचकर इसकी शिकायत जिलाधिकारी से की पीड़ितों का आरोप है कि, नगर पंचायत के ईओ और उनकी टीम वार्डों में जाकर आवासों का सत्यापन कर रही है। वार्ड संख्या पांच के निवासियों ने आरोप लगाया है कि सत्यापन के दौरान सुविधा शुल्क मांगा जा रहा है और पैसा न देने पर आवास योजना से नाम काटने की धमकी दी जा रही है इस पूरे मामले से परेशान होकर मोहल्ले के लोग जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और लिखित रूप से शिकायत दर्ज कराई। शिकायतकर्ताओं में बमैला मोहल्ले के रामआसरे सोनकर, चंदा देवी, विद्या देवी और मीना सहित कई अन्य लोग शामिल हैं। सभी ने इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।स्थानीय प्रशासन की ओर से अब तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन बढ़ते जन आक्रोश के चलते जिले में हड़कंप मच गया है। जनता को उम्मीद है कि शासन इस प्रकरण को गंभीरता से लेकर उचित कदम उठाएगा।

महिला सशक्तिकरण पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड शाहगंज सोंधी के सभागार में गुरुवार को ब्लॉक मिशन प्रबन्धन इकाई शाहगंज सोंधी के तत्वाधान में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बल दिया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे खण्ड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी ने कहा कि शासन की मंशा है महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा रोजगार की मुख्य धारा से जोड़ना है, विकसित देश में महिलाएं आत्मनिर्भर है किसी भी राष्ट्र को विकसित बनाने में मातृ-शक्ति का अहम योगदान होता है। यदि महिलाएं रोजगार से जुड़ी है तो देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलाता है। आजीविका मिशन स्व रोजगार का सबसे बड़ा माध्यम है। जिसमे सरकार रोजगार के लिए समूह को ऋण कम ब्याज की दर पर मुहैया करवाती है जिससे रोजगार का सृजन हो सके। जिससे महिलाएं स्व रोजगार करके आत्म निर्भर हो सके। कार्यक्रम में सबरहद गाँव निवासी रुक्मणि समूह सखी, जैगहाँ निवासी ज्योति ज्वाला, इटौरी गाँव निवासी बैंक सखी रेशम प्रजापति, खेतासराय निवासी बैंक सखी गीता बिंद, आर्यनगर कला गाँव निवासी समूह सखी चित्रकला, ताखा पश्चिम गाँव की समूह सखी सुमन को प्रशस्ति-पत्र देकर प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का संचालन कमलाकांत मौर्य ने किया। इस अवसर पर एडीओ पंचायत संजय यादव, एडीओ आइएसबी प्रमोद सिंह, नरेंद्र गौतम, ज्योति ज्वाला, विजय कुमार यादव, सचिव विनोद यादव, शेखर यादव समेत आदि लोग उपस्थित रहे। आयोजक ब्लॉक मिशन प्रबन्धक संदीप द्विवेदी ने आगंतुकों के प्रति आभार प्रकट किया।

पवित्तपोषित शिक्षक संघ ने कुलपति वित्त अधिकारी को दिया ज्ञापन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कुलपति वित्त अधिकारी को ज्ञापन दिया, जिसमें शिक्षकों प्राचार्यों का डाटा समर्थ पोर्टल पर अपलोड करने की मांग की। वही मूल्यांकन के बाकी पराश्रमिक भुगतान करने की मांग की। इसके अलावा स्ववित्तपोषित शिक्षकों को भी पीएचडी शोध निदेशक बनाए जाने के संबंध में जोर दिया।बता दे की उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित महाविद्यालय शिक्षक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर सिंह ,महामंत्री डॉ निलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में दो दर्जनो शिक्षक पदाधिकारी पूर्वांचल विश्वविद्यालय पहुंचे। कुलपति और वित्त अधिकारी को ज्ञापन दिया। जिसमें शिक्षकों ने मांग किया कि विषम सेमेस्टर 2025 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन का पारिश्रमिक अभी तक भुगतान नहीं किया गया। जिससे हजारों शिक्षकों का पारिश्रमिक भुगतान न होने से उन्हें समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान शिक्षकों ने वित्त अधिकारी संतोष कुमार शर्मा को ज्ञापन दिया, उड़ाका दल के वाह के भुगतान को बढ़ाने की मांग की। वित्त अधिकारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैंक की जिम्मेदारों से बात किया और शिक्षकों के भुगतान एक हफ्ते के अंदर किए जाने का निर्देश दिया। जिससे शिक्षक को राहत मिली। इसके बाद शिक्षक नेताओं ने कुलपति को ज्ञापन दिया ।जिसमें सेल्फ फाईनेन्स शिक्षकों को भी पीएचडी में शोध निर्देशक बनने की मांग की ,कहां की शोध निर्देशक बनने में भेदभाव ना करें , जबकि यह सामान योग्यता वेतन सेवा शर्तों पर शिक्षक सेवा दे रहे हैं तो उनके उन्हें शोध निरीक्षक क्यों नहीं बनाया जा रहा है।

पीयू के छात्र का इंटर्नशिप के लिए चयन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र अभिषेक दुबे का चयन नोएडा स्थित ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स में इंटर्नशिप के लिए हुआ है। इंटरव्यू में बेहतरीन प्रदर्शन के आधार पर अभिषेक को इंटर टेक्निकल सपोर्ट इंजीनियरिंग के पद पर दो माह की इंटर्नशिप के लिए नियुक्त किया गया है। इस दौरान उन्हें प्रति माह 25,000 का मानदेय प्रदान किया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष प्रो. रवि प्रकाश ने इस उपलब्धि पर छात्र को बधाई दी और कहा कि यह इंटर्नशिप अभिषेक के तकनीकी कौशल को और भी निखारेगी। इस दौरान अभिषेक को लेजर, उNC, PLC, BMC, CMTS एवं इंडस्ट्रियल ड्राइव्स जैसे तकनीकी क्षेत्रों में काम करने का अवसर मिलेगा, जो उसके करियर के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। यह इंटर्नशिप अभिषेक के बी.टेक पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिसका मूल्यांकन सेमेस्टर परीक्षा के दौरान किया जाएगा। विभाग के शिक्षकों डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. विशाल यादव, सुश्री पूनम सोनकर, डॉ. अनीस अंसारी तथा मेंटर सुधीर सिंह ने छात्र को कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने की प्रेरणा दी और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने भी इस अवसर पर अभिषेक को बधाई देते हुए कहा कि छात्रों को इसी प्रकार प्रेरित होकर अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने इस उपलब्धि को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम बताया।

थाने का हेड मुहर्रिर रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

-शिवकुमार प्रजापति

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कहतें हैं जब पाप का घड़ा भर जाता है ।ठीक उसी तरह काफी समय से एक रिश्वत खोर पुलिसकर्मी आखिर एंटी करप्शन के हत्थे चढ़ ही गया ।बताया जाता है की सरपतहां थाने में हेड मुहर्रिर पद पर तैनात हरिनाम यादव पर आरोप है की उन्होंने क्षेत्र के शमसीपुर निवासी विपिन कुमार मौर्य से एक मुकदमे में पैरवी के लिए रिश्वत मांगी थी ।जिसकी शिकायत विपिन कुमार ने एंटी करप्शन ब्यूरो वाराणसी से की ।शिकायत को संज्ञान में लेते हुए गुरुवार को एंटी करप्शन की टीम ने नीरज सिंह के नेतृत्व में आरोपी मुहर्रिर को शिकायतकर्ता से पैसे लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया ।गिरफ्तारी की खबर से पूरे थाने में हलचल मच गई। वही एंटी करप्शन टीम ने आरोपी को शाहगंज कोतवाली ले आई। इस सम्बन्ध में पूछे जाने पर डिप्टी एसपी अजीत सिंह चौहान ने बताया की एंटी करप्शन टीम सरपतहां थाने में तैनात हेड मुहर्रिर को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जिसका मुकदमा कोतवाली शाहगंज में सुसंगत धाराओं में लिखी जा रही है।

बेलछा गांव में चोरों ने दो घरो से करीब तीन लाख के आभूषण सहित नगदी पर किया हाथ साथ

नौपेड़वा,जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।बक्शा थाना क्षेत्र के बेलछा गांव में बुधवार देररात्री चोरों ने दो घरो से करीब तीन लाख के आभूषण सहित नगदी पर हाथ साफ कर दिया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने निरीक्षण कर भुक्तभोगी से तहरीर ली। उक्त गांव निवासी नन्हें यादव बस्ती से दूर घर बनवा रखें है घर में परिवार सहित रहना भी शुरू कर दिए है। परंतु घर में अभी दरवाजा नही लग सका है। गांव में घर से दूर एक बारात आई हुई थी। रात्रि एक बजे बारात में सम्मिलित महिलायें घर आकर सो गई। उसी दौरान घर में घुसे चोरों ने नींद में सो रही नन्हें की पत्नी लक्ष्मी के गले से लाकेट निकाल घर में रखी अटैची पीछे ले जाकर उसे तोड़कर उसमें रखा मंगलसूत्र, अगूंठी, नथिया व दस हजार नगदी चुरा ले गए। चोरों ने पड़ोसी फूलचंद यादव के मकान में पीछे से घुसकर रखी अटैची बॉक्स तोड़कर उसमें भी रखा लाकेट, कान की बाली, पायल अगूंठी व पांच हजार नगदी चुरा ले गए। सूचना पर पहुँची डायल 112 नम्बर पुलिस ने सूचना एसओ

पीयू में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की भव्य तैयारियाँ शुरू

एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य के लिए योग थीम पर होंगे विविध आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर भव्य और व्यापक स्तर पर तैयारियाँ आरंभ हो चुकी हैं। मा. कुलाधिपति एवं श्री राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की प्रेरणा से विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, योग दिवस से संबंधित विविध गतिविधियों की श्रृंखला 1 जून से प्रारंभ होकर 21 जून तक चलेगी। इन आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं आमजन में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है।

कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में तैयार की गई इस आयोजन श्रृंखला की रूपरेखा अत्यंत व्यापक और जनहितकारी है। 1 जून से शुरू होने वाले कार्यक्रमों में चंदन वाटिका की स्थापना, सामूहिक योग अभ्यास, योग पर संगोष्ठियाँ, योग मैराथन, योग वाटिका, योग प्रदर्शनी का आयोजन, योग साहित्य पर पुस्तक प्रकाशन, सामूहिक सूर्य नमस्कार तथा विद्यार्थियों, शिक्षको, कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए सात दिवसीय निःशुल्क योग शिविर का आयोजन 5-11 जून, 2025 से किया जा रहा है, जिसमे आर्ट ऑफ लिविंग, बंगलुरु के प्रशिक्षित योग आचार्य द्वारा योगाभ्यास एवं ध्यान का प्रशिक्षण दिया जायेगा। इस शिविर के प्रथम दिन मेडिकल कॉलेज जौनपुर की टीम द्वारा समस्त प्रतिभागियों का आवश्यक मूलभूत निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जायेगा ।छात्र कल्याण अधिष्ठाता एवं योग दिवस के संयोजक प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने बताया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम ₹एक पृथ्वी - एक स्वास्थ्य के लिए योग₹ निर्धारित की गई है। साथ ही, इस वर्ष योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय द्वारा 10 विशिष्ट कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। सभी कार्यक्रमों के सुचारु संचालन हेतु कुलपति द्वारा प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राजकुमार, प्रो. गिरिधर मिश्र, डॉ. राज बहादुर यादव (समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना), डॉ. मनोज कुमार पांडेय, डॉ. जान्हवी श्रीवास्तव, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर एवं योग प्रशिक्षक जय सिंह को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। इन समस्त आयोजनों का मुख्य आकर्षण 21 जून को आयोजित होने वाला ₹अंतरराष्ट्रीय योग दिवस₹ समारोह होगा, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में एक भव्य योग शिविर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं, शिक्षकगण, कर्मचारी और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भाग लेंगे। उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों तथा सम्बद्ध महाविद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सुबह सात बजे एक साथ ह्लसूर्य नमस्कार योग मुद्रा कार्यक्रम आयोजित करते हुए विश्व कीर्तिमान स्थापित किया जाना है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी सम्बद्ध महाविद्यालयों को निर्देशित किया है कि वे भी उक्त 10 कार्यक्रमों को अपने-अपने परिसर में आयोजित करें तथा कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट व जिओ-टैग फोटो विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराएं।

घर से निकले क्रिकेट खेलने लेकिन काल ने बुला लिया गंगा घाट पर

गंगा में डूबकर हुई किशोर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के जैतपुरा थाना क्षेत्र के औसानगंज डिगिया निवासी शौर्य सेठ (16 वर्ष) की गंगा में डूबने से मौत हो गई। शौर्य शुक्रवार सुबह घर से यह कहकर निकला था कि वह क्रिकेट खेलने जा रहा है ।लेकिन जब वह नौ बजे तक वापस नहीं लौटा, तो परिजनों को चिंता हुई और उसकी तलाश शुरू कर दी गई। पंचगंगा घाट पर उसका शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही छानबीन शुरू कर दी ।किशोर सुबह क्रिकेट खेलने की बात कहकर घर से निकला था। काफी देर बाद भी घर नहीं पहुंचा तो परिजनों को उसकी चिंता हुई। परिजन उसकी खोजबीन में जुटे थे, उसी दौरान जानकारी मिली कि कोतवाली थाना क्षेत्र के पंचगंगा घाट पर एक किशोर का शव मिला है। जब परिजन मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने शव की शिनाख्त शौर्य सेठ पुत्र विनोद सेठ के रूप में की। किशोर के मौत की खबर सुनते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

घटना के बाद माता-पिता को गहरा सदमा लगा है। पिता खुद को संभाल नहीं पा रहे थे। शौर्य सुबह पांच बजे क्रिकेट खेलने की बात कहकर घर से निकला था। लेकिन किस परिस्थिति में वह गंगा घाट पहुंचा और डूब गया। यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। शौर्य की असमय मौत से मोहल्ले में भी शोक की लहर है। पड़ोसी और रिश्तेदार शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाते रहे।

समर कैंप में बच्चे कर रहे योग व रचनात्मक कार्य

महराजगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। परिषदीय पूर्व माध्यमिक स्कूलों में गर्मियों की छुट्टियों को खास और रचनात्मक बनाने के लिए स्थानीय ब्लॉक में विभागीय निर्देशन में कुल 46 कम्पोजिट व पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों का समर कैंप शुरू हुआ ।पूर्व माध्यमिक विद्यालय सेतापुर में समर कैंप के सातवें दिन बुधवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्र पटेल ने कैंप में बताया कि समर कैंप से बच्चों का सामाजिक, तकनीकी और रचनात्मक विकास होगा ।उन्होंने कहा कि समर कैंप बच्चों के अंतर्निहित की प्रतिभा को निखारने तथा उनके अंदर की अभिरुचि बढ़ाने का बेहतर माध्यम है। कला एवं कौशल के विकास के लिए यह कार्यक्रम बहुत प्रभावी होते हैं ।सुबह 7 बजे से 10 बजे तक बच्चों ने खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। कैंप में बच्चों को सप्लीमेंट्री न्यूट्रिशन के तहत मौसमी फल,चना, गुड़ एवं ग्लूकोज बिस्कुट आदि वितरित किया ।इस मौके पर शिक्षामित्र व अनुदेशक रहे।

सड़क से हटने को कहने पर युवक ने किया गड़ासे से हमला, गंभीर रूप से घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।शिकारपुर सड़क पर बैठकर मोबाइल गेम खेलने से मना करना एक युवक को भारी पड़ गया। मामूली बात पर नाराज होकर एक युवक ने गड़ासा लेकर हमला कर दिया, जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार, कपिल कुमार अपने किसी कार्य से बाइक से जा रहे थे। उसी दौरान गांव के ही फूलचंद कुमार का 19 वर्षीय पुत्र सनी कुमार सड़क पर बैठकर मोबाइल पर पबजी गेम खेल रहा था। रास्ता अवरुद्ध होने पर कपिल ने सनी से विनम्रता पूर्वक कहा कि वह सड़क से हट जाए ताकि कोई वाहन टक्कर न मार दे। इस सामान्य सी बात पर सनी भड़क गया और गाली-गलौज करते हुए बोला, ह्लमेरे बाप नहीं बोलते, तुम कौन होते हो हमसे बोलने वाले ?ह्व इसके बाद वह दौड़कर अपने घर गया और वहां से धारदार गड़ासा लेकर लौटा। आते ही उसने कपिल पर जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में कपिल के सिर पर गंभीर चोट आई, साथ ही उसकी बाइक को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन व स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायल को लेकर शिकारपुर पुलिस चौकी को सूचना दी। इसके बाद घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपी की तलाश की जा रही है। ग्रामीणों में घटना को लेकर रोष व्याप्त है और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

खेत की रखवाली कर रहे बुजुर्ग बनें तेंदुए का शिकार, अब तक चार लोगों को बना चुका है शिकार

-डॉ.एस.के. मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के चिरईगांव में तेंदुए को पकड़ने को लेकर वन विभाग अभियान चला रहा है। इस बीच, लोगों का कहना है कि सारनाथ क्षेत्र के सिंहपुर गांव में तेंदुए के हमले से एक बुजुर्ग बुरी तरह से घायल हो गया, जिसका उपचार पहले सरकारी अस्पताल उसके बाद फिर निजी अस्पताल में कराया गया ।बताते चलें कि बीते दिनों चिरईगांव क्षेत्र में तेंदुए के हमले से तीन युवक घायल हो गए थे। वहीं, वन विभाग खूंखार तेंदुए को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चला रहा है। अब ड्रोन की भी मदद ली जा रही है। अब देखना है के तेंदुए को कब तक पकड़ा जाता है ।आस-पास के इलाके में डर का माहौल है बाहर निकलने के नाम हर किसी का दिल बैठ जा रहा है। अब सब की नजर वन विभाग पे टिकी हुई है।

मासूम से दुराचार करने वाले आरोपी को पच्चीस वर्ष का कारावास व पचास हजार रुपए अर्थदंड

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।27 अप्रैल 2025 को जफराबाद क्षेत्र में स्थित एक धार्मिक स्थल के बाहर खेल रही एक छः वर्षीय बच्ची के प्राइवेट पार्ट पर किस करने का आरोपी खुर्शीद आलम उर्फ मोहम्मद हमजा दुष्कर्म व पाक्सो की विभिन्न धाराओं मे अपर सत्र न्यायाधीश उमेश कुमार द्वितीय के द्वारा 25 वर्ष का कारावास व ?50,000 अर्थदंड की सजा से दंडित हुआ है ।घटना के एक माह दो दिन एवं पत्रावली पर संज्ञान लेने के 1महीने में अपर सत्र न्यायाधीश उमेश कुमार द्वितीय ने सुनाया फैसला दिन प्रतिदिन चली सुनवाई ,1 महीने के भीतर पीड़िता समेत सात गवाहों का दर्ज हुआ बयान व हुई बहस ।घटना के दूसरे दिन पुलिस ने पूरी विवेचना कर कोर्ट में दाखिल कर दी थी चार्जशीट। पीड़िता की मां ने घटना के दिन ही दर्ज कराई थी प्राथमिकी। त्वरित कार्यवाही से इंसाफ मिलने से परिजन हुए खुश।

मैं बेटियों के अधिकार और सुरक्षा के लिए काम करूंगी: अनन्या

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बहुत गर्व और खुशी की बात है कि 'बेटी स्वावलंबन सुरक्षा समिति' परिवार में एक और चमकता हुआ सितारा जुड़ गया है। समिति के संस्थापक एवं अध्यक्ष डी. के. अग्रवाल ने बताया कि जौनपुर की गौरवशाली बेटी अनन्या समर्थ अब इस समिति का हिस्सा बन गई हैं। अनन्या, जो मिस इंडिया नॉर्थ का खिताब जीत चुकी हैं और एक चर्चित टीवी सीरियल एक्ट्रेस हैं, अपने प्रेरणादायक व्यक्तित्व और योगदान से इस समिति को और भी ऊंचाई तक ले जाने में मदद करेंगी ।डी. के. अग्रवाल ने कहा, समिति का उद्देश्य महिलाओं और बेटियों को सशक्त बनाना और उनके आत्मनिर्भरता के सपने को साकार करना है। अनन्या जैसे युवा और प्रतिभाशाली व्यक्तित्व का इस परिवार में शामिल होना, हमारे अभियान को और मजबूत करेगा। अनन्या ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मैं इस समिति का हिस्सा बनकर बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह मेरे लिए एक ऐसा मंच है, जहां से मैं बेटियों के अधिकार और सुरक्षा के लिए काम कर सकती हूं। मेरा प्रयास रहेगा कि मैं समिति के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में हरसंभव योगदान दूं।

अनन्या समर्थ ने अपनी मेहनत और लगन से जौनपुर का नाम रोशन किया है। 'मिस इंडिया नॉर्थ' का ताज पहनने के बाद, उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनाई। वह अपने काम के जरिए बेटियों को अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित करती रहती हैं। उनका मानना है कि बेटियों को न केवल शिक्षा बल्कि स्वावलंबन की भी

मुकदमें में पैरवी को लेकर दिया धमकी,मुकदमा दर्ज

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में चकबन्दी चल रही है। एक युवक द्वारा अपने मुकदमें में पैरवी करने पर विपक्षियों ने जान से मारने की धमकी दे डाली। पीड़ित ने एसपी डॉ कौस्तुभ को प्रार्थना पत्र देकर जान माल की सुरक्षा हेतु गुहार लगायी है। सुल्तानपुर गांव निवासी मैन बहादुर का एक मुकदमा चकबन्दी न्यायालय में चल रहा है। आरोप है कि विपक्षी अमर बहादुर व नीरज निषाद आये दिन उसे मुकदमें में पैरवी करने को लेकर जान से मारने की धमकी देते रहते हैं। मैन बहादुर ने एसपी से मिलकर मामले से उनको अवगत कराया और जान माल की सुरक्षा हेतु मुकदमा दर्ज करते हुए उन आरोपियों पर कार्यवाही हेतु प्रार्थनापत्र दिया। कार्यवाहक थानाप्रभारी मनोज राय ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सुल्तानपुर गांव के अमर बहादुर और नीरज निषाद के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित कर किया सम्मनित

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत विकासखंड केराकत के सभागार में महिला शशक्तीकरण कार्यक्रम का आयोजन भव्य तरीके से किया गया ।जिसमे महिला सशक्तिकरण पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए महिलाओं को सशक्त एवं आत्म निर्भर बनाने पर प्रकाश डाला गया ।बैठक में प्रमुख रूप से ब्लाक प्रमुख ,खंड विकास अधिकारी ,पूर्व ब्लाक प्रमुख संत कुमार सिंह (गोपाल सिंह) सहायक विकास अधिकारी (कर.इ) ,समस्त बी एम एम ,समस्त सहायक विकास अधिकारी ,समूह के समस्त कैडर उपस्थित रहीं ।कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाली समूह की कैडरों को प्रशस्ति पत्र डीलर उनको सम्मानित किया गया।

पीडीए समाज के हक अधिकार पर डाका डाल रही है देश एवं प्रदेश की सरकारें : श्यामलाल पाल

* प्रदेश में अपराध चरम पर, पुलिस का भय शून्य: श्यामलाल पाल

* समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल जनपद जौनपुर में शैक्षणिक एवं सुख दुख सहित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए

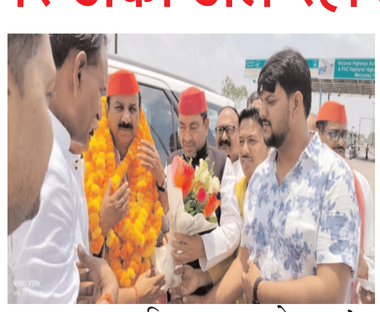

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल जनपद जौनपुर में शैक्षणिक एवं सुख दुख सहित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश प्रदेश की सामंती सरकारों ने संविधान के विपरीत पीडीए समाज के आरक्षण पर अतिक्रमण कर उनके हक अधिकार छीनने का काम कर रही है। आज प्रदेश में अपराध चरम पर है। अपराधियों में शासन प्रशासन का भय शून्य को प्राप्त हो चुका है ।पीडीए समाज अब जागरूक हो चुका है आने वाले दिनों में संविधान प्रदत्त वोट की ताकत से इस सामंती सत्ता को उखाड़ फेंकने का काम करेगा ।सर्वप्रथम जिले की सीमा पर पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का विधानसभा क्षेत्र मुंगराबादशाहपुर में प्रदेश सचिव राजेश विश्वकर्मा जिला उपाध्यक्ष राहुल यादव राजमुर्ती सरोज उमाशंकर चौरसिया विधानसभा अध्यक्ष राम इकबाल यादव महासचिव प्रवीण सरोज के नेतृत्व में फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। तत्पश्चात तत्पश्चात विधानसभा मछली शहर की सीमा में पार्टी के जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य के नेतृत्व में जिला महासचिव आरिफ हबीब जिला सचिव गुलाब यादव जिला पंचायत सदस्य अशोक यादव विकास यादव रविंद्र मौर्य सहित अन्य पदाधिकारियो ने प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का स्वागत किया।

मछली शहर विधानसभा क्षेत्र में ग्राम नखत में पहलवान गुरुदेव ग्रुप आफ कॉलेज में प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मिलित होकर मेधावी छात्र और छात्राओं का मेडल एवं पुरस्कार देकर सम्मान किया। तत्पश्चात मल्हनी के विधायक लकी यादव की चचेरी माता के निधन के उपरांत उनके गृह निवास गहरपुर कारो बरसठी पहुंचकर मुन्ना यादव सहित परिवार जनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त किया। तत्पश्चात विधानसभा क्षेत्र मड़ियाहूं के ग्राम कोचारी में सुभाष पाल की भतीजी की शादी में शिरकत कर अपना आशीर्वाद दिया तथा परिजनों को बधाई दिया ।इसके बाद मड़ियाहूं विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत रामपुर बाजार में नगर महासचिव लालचंद यादव के नेतृत्व में सैकड़ों सपाजनों ने माननीय प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया ।इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, विधायक लकी यादव, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, राजेश विश्वकर्मा के साथ साथ ज़िला उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल, राजमूर्ति सरोज, राजेंद्र यादव, उमाशंकर पाल, ज़िला महासचिव आरिफ हबीब, जिला सचिव गुलाब यादव, कैलाशनाथ यादव, श्यामनारायण बिंद, राहुल त्रिपाठी, राजदेव पाल, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष रामू मौर्य, राजवीर यादव बिरजू यादव , दिनेश यादव फौजी अखंड प्रताप यादव, राजेश झल्लूराम पटेल, राम अकबाल यादव, उमाशंकर चौरसिया, विकास यादव, रविन्द्र मौर्य सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे ।उक्त आशय की जानकारी ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने दी है।

सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध होगी नई निसान मैग्नाइट

ठाणे। निसान मोटर इंडिया की लोकप्रिय एसयूवी नई निसान मैग्नाइट अब सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के साथ भी उपलब्ध होगी। सीएनजी किट को देश के नियामकीय मानकों के अनुरूप मोटोजेन (थर्ड पार्टी) द्वारा डेवलप, मैन्यूफैक्चर और क्वालिटी एश्योर किया गया है। मोटोजेन किट के कंपोनेंट्स के लिए वारंटी देगी। यह पहल ग्राहकों को ध्यान में रखकर समाधान देने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दिखाती है। सरकार द्वारा अधिकृत फिटमेंट सेंटर पर किट को लगाया जाएगा। पूरा रेट्रोफिटमेंट मात्र 74,999 रुपये की अतिरिक्त कीमत पर उपलब्ध होगा।पर्यावरण के प्रति सचेत ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश की गई इको फ्रेंडली सीएनजी किट फिटमेंट को

चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में उपलब्ध कराया जाएगा। पहले चरण में 7 राज्यों झ दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और कर्नाटक में निसान के ग्राहक निसान की अधिकृत डीलरशिप से सीएनजी किट इंस्टॉल करा सकेंगे। कुछ समय बाद दूसरे चरण में पूरे देश में इसे विस्तार दिया जाएगा।सीएनजी किट का विकल्प केवल मैनुअल गियरबॉक्स वाली नई निसान मैग्नाइट 1.0 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन के साथ मिलेगा।

सीएनजी रेट्रोफिटेड किट से ग्राहकों को बेहतर ईंधन दक्षता का लाभ मिलेगा। सभी सीएनजी किट को सरकार द्वारा प्रमाणित वेंडर्स से लगवाया जाएगा। इसमें सर्टिफाइट होमोलोगेटेड किट मिलेगी, जो सभी वर्तमान नियमनों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप होगी। निसान मोटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ वत्स ने कहा, नई निसान मैग्नाइट हम सभी के लिए उल्लेखनीय मॉडल है और इसने हमें भारत में सफलता की कहानी लिखने में मदद की है। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लक्ष्य के साथ अब निसान के डीलर्स सरकार द्वारा प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट के रूप में अल्टरनेट फ्यूल ऑप्शन दे सकेंगे। यह सुविधा ग्राहकों को अधिकृत फिटमेंट सेंटर्स के माध्यम से प्रदान की जाएगी। हमें विश्वास है कि इस कदम से लोकप्रिय एसयूवी की वैल्यू बढ़ेगी और यह एसयूवी ज्यादा व्यावहारिक बनेगी।

फको ने नैनो उर्वरकों की बिक्री में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

पटना (उत्तरशक्ति)। विश्व की नंबर 1 सहकारी संस्था, इफको ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में 3,811 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया, साथ ही नैनो उर्वरकों की बिक्री में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। इस वित्त वर्ष (2024-2025) में नैनो-उर्वरकों की 365.09 लाख बोतलें बेची गईं, जबकि पिछले वित्त वर्ष (2023-2024) में 248.95 लाख बोतलें बेची गई थीं। वित्त वर्ष 24-25 के दौरान इफको ने 41,244 करोड़ रुपये का कारोबार दर्ज किया। इफको के अध्यक्ष दिलीप संघानी ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि यह देश के पूरे सहकारी क्षेत्र के लिए गर्व की बात है कि इफको के शानदार विकास के आंकड़े ₹ सहकार से समृद्धि₹ के सपने को साकार कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि समिति ने लगातार तीन वित्तीय वर्षों में 3000 करोड़ रुपये से अधिक का लाभ दर्ज किया है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 23 लगातार वर्षों से इफको ने अपने सदस्यों को चुकता शेयर पूंजी पर 20 प्रतिशत लाभांश देकर पुरस्कृत किया है - जो न्यायसंगत और सतत विकास के प्रति इसके समर्पण और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केंद्रीय रसायन और उर्वरक मंत्रालय के समर्थन से नैनो-उर्वरक समिति के लिए प्रमुख फोकस क्षेत्र रहा है, व्यापक जागरूकता अभियान और अनुसंधान ने किसानों के बीच उत्पादों की स्वीकृति बढ़ाने में समिति की मदद की है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान बेची गई 365 लाख बोतलों में से 268 लाख बोतलें इफको नैनो यूरिया प्लस (लिक्विड) और 97 लाख बोतलें इफको नैनो डीएपी (लिक्विड) की बेची गईं। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में इफको नैनो यूरिया प्लस (लिक्विड) की बिक्री 31 प्रतिशत और इफको नैनो डीएपी (लिक्विड) की बिक्री 118 प्रतिशत अधिक है।

स्टॉकग्रो के रेड एनवेलप अभियान ने लाखों भारतीयों का ध्यान खींचा

मुंबई। बीते हफ्ते पूरे देश में जिज्ञासा की लहर दौड़ गई, जब लोगों को एयरलाइन सीट पॉकेट्स, एयरपोर्ट लाउंज, होटल के कमरे और अन्य सार्वजनिक जगहों पर रहस्यमय लाल लिफाफे मिलने लगे। हर लिफाफे में एक क्यूआर कोड और ऐसा संदेश था जो यह सोचने को मजबूर करता था– जब आप सफर कर रहे हों, आराम कर रहे हों या कुछ न कर रहे हों, तब आपका पैसा क्या कर रहा है। इसका जवाब लोगों को सीधे निवेश की दुनिया में ले गया। भारत के अग्रणी निवेश सलाह और ज्ञान मंच स्टॉकग्रो ने यह रेड एनवेलप अभियान शुरू किया था। यह पहल आम लोगों तक निवेश की पहुंच आसान बनाने के मिशन का हिस्सा थी। इस अनोखे अभियान के पीछे एक गहरी सोच थी–कि आर्थिक जानकारी और बाजार में भागीदारी का अधिकार केवल चुनिंदा लोगों तक सीमित नहीं होना चाहिए। इस अभियान को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। रेड एनवेलप वेबसाइट पर 12 लाख से ज्यादा विजिटर्स आए और एक गुप्त लैंडिंग पेज पर 4 लाख से अधिक यूजर्स ने रजिस्ट्रेशन किया। स्टॉकग्रो के संस्थापक और सीईओ अजय लखोटिया ने कहा, हमारे देश में निवेश को अब भी जोखिम भरा, कठिन और आम लोगों की पहुंच से बाहर माना जाता है। स्टॉकग्रो ने इसी सोच को चुनौती देने का फैसला किया। रेड एनवेलप अभियान उस सच्चाई पर आधारित था कि बहुत से लोग मानते हैं कि धन केवल इनसाइडर्स (अंदरूनी जानकारी रखने वाले) के लिए है। हम यह मिथक तोड़ना चाहते थे–कि बाजार में सफल होने के लिए जरूरी टूल्स, जानकारियाँ और विशेषज्ञों की सलाह अब सिर्फ खास लोगों तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब ये सब स्टॉकग्रो पर हर किसी के लिए उपलब्ध है।

जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया ने मुंबई में 'एक्सचेंज' कार्यशाला आयोजित

मुंबई। भारत में आवासीय और वाणिज्यिक बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय उछाल आने की उम्मीद है क्योंकि यह 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। परिवहन, रियल एस्टेट, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में बढ़ते सार्वजनिक और निजी निवेश से पर्याप्त वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ते हुए महाराष्ट्र कई महत्वपूर्ण कदम उठा रहा है और शहरीकरण को बढ़ावा दे रहा है। भारतीय ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार सरकारी नीतियों और प्रयासों से, राज्य ग्रीन रियल एस्टेट परियोजनाओं में अग्रणी है। भारत में हिताची की नवीनतम जापानी तकनीक के साथ इस विकास को गति देने के लिए, जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड - एयर कंडीशनिंग समाधानों के एक अग्रणी प्रदाता- ने मुंबई में 'हिताची एक्सचेंज प्रोग्राम' की मेजबानी की, जो एक विचार नेतृत्व कार्यशाला था। इस कार्यशाला का उद्देश्य आर्किटेक्ट और एचवीएसी सलाहकारों को सशक्त बनाने के साथ ही उद्योग के प्रभावशाली लोगों के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा देना था। जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश नागरी ने कहा, मुंबई में आयोजित हिताची एक्सचेंज इस क्षेत्र के ऊर्जा-कुशल कूलिंग समाधान और एचवीएसी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची एयर कंडीशनिंग इंडिया लिमिटेड के उपाध्यक्ष हरिहरन बालासुब्रमण्यम ने कहा, जॉनसन कंट्रोल्स-हिताची में, हम मानते हैं कि एचवीएसी समाधानों में नवाचार एक स्थायी भविष्य के निर्माण की कुंजी है। यह कार्यशाला क्षेत्र के वास्तुकारों और एचवीएसी सलाहकारों के बीच की खाई को पाटने और उन्हें एक स्थायी भविष्य के लिए स्मार्ट, ऊर्जा-कुशल समाधान बनाने के लिए सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में कार्य करता है।

बिजली निजीकरण के खिलाफ बनारस में बिजलीकर्मियों का हल्ला बोल

सुरेश गांधी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के खिलाफ प्रदेशभर में चल रहे आंदोलन के तहत बुधवार को बनारस में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले बिजलीकर्मियों ने भिखारीपुर स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन देशभर के 27 लाख बिजलीकर्मियों द्वारा एक साथ किए जा रहे आंदोलन का हिस्सा रहा। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने मुख्यमंत्री से अपील की कि वे समिति द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव पर एक बार विचार करें और समझें कि क्या वास्तव में निजीकरण की आवश्यकता है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अगर निजीकरण जरूरी नहीं है, तो विभाग को 24 वर्षों से चला रहे अधिकारी अब तक क्या कर रहे थे?

बिजलीकर्मियों ने ट्रांजेक्शन कंसल्टेंट के रूप में नियुक्त ग्रांट थॉर्टन को क्लीन चिट दिए जाने पर भी नाराजगी जताई। आरोप लगाया गया कि कंपनी ने झूठा शपथपत्र दिया, फिर भी निदेशक (वित्त) निधि नारंग ने उसे क्लीन चिट दी और उसे अवैध रूप से बनाए रखा गया है। इससे कर्मचारियों ने प्रबंधन पर निजी कंपनियों से मिलीभगत का आरोप लगाया। कर्मचारियों ने सरकार पर भ्रामक आंकड़े पेश कर निजीकरण का रास्ता साफ करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि निजी कंपनियों को बिना बिजली लिए 6761 करोड़ रु. सालाना भुगतान कर्मचारियों ने साफ शब्दों में कहा कि यदि यूपी में किसी भी कर्मचारी पर कार्रवाई की गई तो पूरे देश के बिजलीकर्मी आंदोलन में उतरेंगे और इसकी जिम्मेदारी प्रदेश सरकार की होगी। सभा की अध्यक्षता ई. नीरज बिंद ने की और संचालन अंकुर पाण्डेय ने किया। सभा को ई. मायाशंकर तिवारी, ई. अनिल शुक्ला, ई. विजय सिंह, ई. अमित श्रीवास्तव, ई. गौतम शर्मा, ई. सतीश चंद्र बिंद, विजय नारायण हिटलर, चंदन यादव, उदयभान दुबे, आलोक रंजन और अरुण कुमार ने संबोधित किया।

सौर ऊर्जा से संचालित होंगी साधन सहकारी समितियां

आजमगढ़। सरकार बिजली पर निर्भरता कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए सौर ऊर्जा पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में जिले की साधन सहकारी समितियों (बी पैक्स) को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा। पहले चरण में जिले की सात समितियों पर सोलर पैनल स्थापित किए जाएंगे। वर्तमान समय में जिले में कुल 250 साधन सहकारी समितियां संचालित हो रही हैं। इनमें से 208 समितियों को कंप्यूटरीकृत करने का आदेश आया है। इस पर काम भी शुरू हो चुका है। साधन सहकारी समितियों को कंप्यूटरीकृत के साथ ही सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा। खजुरी, सराय वृंदावन, असवनियां, करनपुर बुढ़, नेवादा, जगदीशपुर अस्वना, खरसहन कला समिति पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे। सौर ऊर्जा के उपयोग से बिजली बिल में कमी आएगी और समितियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी। समितियों पर सोलर पैनल लगाने के लिए कार्यदायी संस्था नामित हो चुकी है। एआर सहकारिता अजय कुमार ने बताया कि अभी जिले की सात बी पैक्स समिति पर सोलर पैनल लगाने का निर्देश हुआ है। इससे समितियों पर बिजली की समस्या दूर होगी साथ ही समितियों की कार्यक्षमता भी बढ़ेगी।

भदोही में गूंजी अहिल्याबाई होलकर की गौरवगाथा ,महिला सशक्तिकरण पर रहा जोर

सुरेश गांधी

भदोही। नगर पालिका परिषद सभागार में बुधवार को अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मछलीशहर के पूर्व सांसद श्री वी. पी. सरोज रहे, जबकि मुख्य वक्ता रहीं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री श्रीमती आकांक्षा सोनकर। आयोजन का उद्देश्य अहिल्याबाई होलकर के आदर्शों और कार्यों को जनमानस तक पहुंचाना रहा। समारोह में स्थानीय जनता ने भी बड़ी संख्या में सहभागिता की और अहिल्याबाई होलकर के विचारों से प्रेरणा ली। इस मौके पर सरवर सिद्दीकी ने अहिल्याबाई होलकर के जीवन संघर्ष, समाज सेवा और महिला नेतृत्व की मिसालों को रेखांकित किया। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य श्री सरवर सिद्दीकी ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार ने अनेक योजनाएं चलाई हैं, जिनमें प्रमुख हैं–

प्रधानमंत्री आवास योजना

उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त गैस सिलेंडर

मुफ्त बिजली कनेक्शन

आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा

मुफ्त राशन वितरण योजना

घर-घर शौचालय निर्माण अभियान

बिना गारंटी 2 लाख तक का बैंक लोन (प्रधानमंत्री मुद्रा योजना)

उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से नारी शक्ति को नया आत्मबल मिला है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधायक श्री रविंद्र नाथ त्रिपाठी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दीपक मिश्रा, श्रीमती लालता सोनकर, स्नेहलता श्रीवास्तव, प्रियंका जायसवाल, संगीता खन्ना, अरविंद मौर्य, दिलीप गुप्ता सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विनीत बरनवाल ने किया.

अंधेरी में महिलाओं ने किया संगीतमय सुंदरकांड पाठ

मुंबई। सामाजिक संस्था पीएस फाउंडेशन ने समस्त मानव कल्याण और समाज में सद्भावना का संदेश फैलाने के उद्देश्य से गुरुवार को अंधेरी (पूर्व) के पंपहाउस, वार्ड क्रमांक-79 स्थित सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल परिसर में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि सुंदरकांड पाठ महिलाओं ने किया। पीएस फाउंडेशन महिला स्वावलंबन समिति की अध्यक्ष स्वीकृति प्रदीप शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में महिलाएं पूरे उत्साह और भक्ति भाव से शामिल हुईं। व्यासपीठ पर बैठी पुष्पा त्रिपाठी ने सुंदरकांड पाठ के दौरान बजरंग बली के गुणों और उनके आदर्शों को सरल व प्रभावशाली शब्दों में प्रस्तुत किया।

उन्होंने कार्यक्रम में शामिल लोगों को संदेश दिया कि कठिन समय में भी धैर्य और एकजुटता के साथ एक-दूसरे की सहायता करना चाहिए।

इस दौरान स्वीकृति प्रदीप शर्मा ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में शांति और सद्भावना स्थापित करना है। उन्होंने कहा, हमारा प्रयास है कि समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए ऐसे आयोजन होते रहें,जिससे लोगों को सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त हो। पीएस फाउंडेशन के इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की। इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कार्यक्रम को सफल बनाया।

ऋचा तिवारी के शुभ विवाह में उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा ने दिया आशीर्वाद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा अपने जन्मभूमि पहुंच कर अपने रिश्तेदार ग्राम मंशिल निवासी राकेश तिवारी (मिल्लू) प्रधानाचार्य की पुत्री ऋचा के शुभ विवाह विकास खंड मड़ीयाहू , पोस्ट मेहदी, जिला जौनपुर उत्तर प्रदेश में राकेश तिवारी की पुत्री ऋचा के शुभ विवाह में उपस्थित होकर वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। जिसमें पिता राकेश तिवारी, मां प्रीति तिवारी, लीलावती मिश्रा ने आशीर्वाद प्रदान किया। जिसमें चाचा राजेश तिवारी , चाची कंचन तिवारी, फूफा महेश दुबे, बुआ प्रमिला , विजय चंद मिश्रा, उर्मिला मिश्रा, परदादा संगठा प्रसाद तिवारी, दादा राम अछैबर तिवारी, भाई शुभम् तिवारी, अंकित, व्यास, सौरभ गौरव , अविनिश मिश्रा , द्विवेश (छोटू) , प्रांजल , आजाद

तिवारी, पिता माता राकेश तिवारी, प्रिती ने कन्यादान किया और आशीर्वाद प्रदान किया। बता दें यह बारात ग्रामपंचायत सुल्तानपुर , दरियागंज निवासी सुरेश दुबे के पुत्र अंकित दुबे के विवाह में वर पक्ष आचार्य पंडित योगेश मिश्रा, व कन्या पक्ष के आचार्य पंडित आशिष मिश्रा (लाला मिश्रा) के मंत्रोच्चार द्वारा विवाह संपन्न हुआ। मिलींद तिवारी (लव) , शशिकांत मिश्रा (मुन्ना) , शेष नारायण तिवारी, रामाश्रय तिवारी, एडवोकेट व शिक्षक के एन शुक्ला, शिक्षक रविन्द्र मौर्या सहित कई लोगों ने वर-वधु को आशीर्वाद प्रदान किया।

सड़क दुर्घटना में मृत युवक के परिजन से मिले विधायक विजय शंकर दुबे

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान महाराजगंज स्थानीय विधानसभा क्षेत्र के महाराजगंज थाना अंतर्गत सीवान - सीतलपुर एनएच 227 ए पर अफराद पेट्रोल पंप पर हुई सड़क दुर्घटना में मृतक के परिजनों से महाराजगंज के विधायक विजय शंकर दुबे ने मिल कर हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। वही जख्मी लोगों को भी बेहतर इलाज करने की बात कही, विधायक ने कहा मोटरसाईकिल एवं चार चक्के की छोटी गाडी से हुई टक्कर की घटना में मृत स्व.अमरेन्द्र कुमार सिंह उम्र 35 वर्ष की मौत घटनास्थल पर ही हो गई है. मोटरसाईकिल एवं चार चक्के की गाड़ी में जबरदस्त टक्कर हुई फलस्वरूप इस घटना में स्व० अमरेन्द्र कुमार सिंह की मौत हो गई.

अमरेन्द्र कुमार सिंह उर्फ संजय सिंह पिता -कमल सिंह, ग्राम बलिया

टोला -चौक भगत, पो० - पोखरा, थाना- महाराजगंज, जिला सीवान के रहने वाले थे .वे अपने परिवार के अकेले कमाऊ पुत्र थे.उनके निधन से उनके विधवा पत्नी सावित्री देवी, पुत्र गोलु कुमार, पुत्री अल्का कुमारी निराश्रीत हो गए हैं। विधायक श्री दुबे ने कहा कि समस्त परिवार अभी शोकाकुल है और निराश्रीत हो चुका है.उन्होने यह भी कहा कि उनके विधवा आश्रित मुस्मात सावित्री देवी को 4,50,000/- (चार लाख पचास हजार) रूपया दुर्घटना अनुदान राशि समाहर्ता सीवान से दिलाया जायेगा एवं अन्य आपदा अनुग्रह सहायता दिलाने का हरसंभव प्रयास किया जायेगा. कांग्रेस के शिष्टमंडल में श्री दुबे के साथ कांग्रेस कमिटी के प्रखण्ड अध्यक्ष इम्तियाज अहमद (पूर्व प्रमुख), महासचिव जितेन्द्र सिंह, युवा नेता अफजल हुसैन खाँ, राजकुमार सिंह सरपंच ,अजय पटेल, शैलेन्द्र कुमार सिंह उपस्थित थे।

डंडीपुर निवासी शंभूनाथ मिश्रा का दु :खद निधन

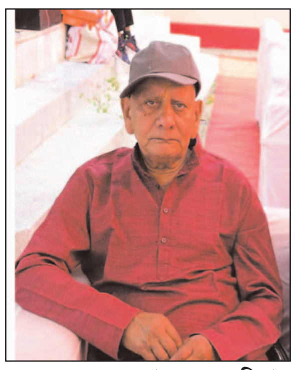

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश जनपद प्रयागराज, गांव डंडीपुर, उग्रसेन पुर ग्राम डंडीपुर के निवासी समाजसेवी शंभूनाथ मिश्रा उम्र 72 वर्ष के आयु में दिनांक 27 मई 2025 दिन मंगलवार को प्रयागराज के पार्वती हास्पिटल में अंतिम सांस ली। पंडित शंभूनाथ मिश्रा एक मिलनसार सरल सौम्य स्वभाव के व्यक्ति थे । उनके निधन पर गांव में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। बताया जाता है उनका अंतिम संस्कार प्रयागराज घाट पर उनके छोटे पुत्र दिनेश मिश्रा ने मुखाग्नि दे कर अंतिम संस्कार किया। जिसमे पत्नी कमला देवी मिश्रा, भाई भोलानाथ मिश्रा सेवा निवृत्त पुलिस इंस्पेक्टर , पुत्र रत्नेश मिश्रा, दिनेश , रत्न मिश्रा,भारत , पवन , राजा , पुत्री सुजाता , ममता , सुरत से जीजा दिनेश तिवारी , बहन श्यामा तिवारी, संजय तिवारी , गहली गांव प्रधान सुभाष चंद्र दुबे ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। शंभूनाथ मिश्रा भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं। मुंगराबादशाहपुर से कृष्ण चंद दुबे, गीता दुबे , समाजसेवी भाजपा नगर अध्यक्ष रवि कृष्ण चंद दुबे, राजू दुबे सहित कई लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक प्रकट किया। लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए दिवंग आत्मा को ईश्वर शांति एवं शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

60 पद रिक्त, वरिष्ठों ने संभाली ओपीडी की कमान

आजमगढ़। अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों के 60 पद रिक्त हैं। चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए अब स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी मरीजों के उपचार में जुट गए हैं। सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए यह कदम उठाया गया है। सीएमओ ने बताया कि सभी प्रशासनिक और चिकित्सा अधिकारियों को सप्ताह में दो दिन तहसील क्षेत्र में भ्रमण करके ओपीडी में मरीजों को देखने का निर्देश दिया गया है। जनपद में 23 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), 68 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इन स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी है। वर्तमान में 60 विशेषज्ञ चिकित्सकों के पद रिक्त हैं।

वी वॉक आफ एम्पावरमेंट की प्रस्तुति में ओपन माइक का शानदार आयोजन

मुंबई। गोरगांव पश्चिम स्थित रासा द स्टेज में शाम एक बेहद खूबसूरत और यादगार ओपन माइक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन वी वॉक आफ एम्पावरमेंट संस्था द्वारा किया गया, जिसकी संस्थापक और मुख्य आयोजक नसरीन मलिक हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य उभरते कलाकारों को मंच देना और उनके आत्मविश्वास को निखारना था। यह सांस्कृतिक संध्या शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक चली, जिसमें देशभर से आए कवि, गायक, शायर, कॉमेडियन और लेखक जैसे विभिन्न विधाओं के कलाकारों ने भाग लिया और अपने हुनर से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दै. मुंबई हलचल समाचार पत्र के संपादक दिलशाद एस. खान थे, जिन्होंने सभी कलाकारों को मंच पर मेडल पहनाकर सम्मानित किया और उनके

उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रमुख कलाकार - कवि एवं शायरः डॉ. मोहम्मद मलकानी, रियाज सानी, प्रेम कपाड़िया, रुहुदार देबोज्योति, मोइज कोड़ावाला, मारूफ मिजापुर्री, रितेश यादव, फकीर साहब, अहमद फैजाबादी, अतहर कादरी, अमित सिंह, डॉ. ध्रुवा, भाग्यश्री राजभर, कमर शेख, चंद्रमणि मेहता, गायक/गायिकाः जसविंदर कौर, गोविंद कोम्पाले, स्नेहा खामकर, हितेश नरंग, कॉमेडियनः अल्फाज सिद्दीकी, अन्य कलाकारः तस्मिन खान, सुनील शर्मा, देव अग्निहोत्री

कार्यक्रम का संचालन मारूफ मिजार्पुरी, शगुफ़्ता खान और स्नेहा खामकर ने शानदार तरीके से किया, जिससे पूरा माहौल ऊर्जा और उत्साह से भर गया।

सम्मानित प्रतिभाएँ : इस कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतियों के आधार पर तीन कलाकारों को विशेष रूप से सम्मानित किया गयाः प्रथम स्थानः डॉ. मोहम्मद मलकानी, द्वितीय स्थानः रुहुदार देबोज्योति, तृतीय स्थानः रियाज सानी सभी कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को भावविभोर कर दिया। किसी ने जीवन की सच्चाइयों को शब्दों में पिरोया, तो किसी ने संगीत के सुरों से दिल को छू लिया।